संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 263
पृष्ठ 8
शनिवार
13 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पराठों के साथ बेहद स्वाद...
विचार- धन्य आध्यात्मिक यात्रा-हज...
खेल- फटाफट क्रिकेट में दम दिखाने की...

नोएडा को सीएम योगी की सौगात, 45 इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर, बोले

पहले यूपी में अराजकता और खराब सड़कें थीं

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग से गौतमबुद्धनगर जिला के नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यीडा क्षेत्र में संयुक्त रूप से जेवर एयरपोर्ट तक संचालित होने वाली उप्र राज्य सड़क परिवन निगम (यूपीएसआरटीसी) की 45 इलेकट्रिक बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनपद गौतमबुद्धनगर के लिए आज अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। एक साथ इस जनपद में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी के तत्वावधान में उप्र राज्य परिवहन निगम द्वारा 45 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन प्रारम्भ हो रहा है। सबसे पहले

गोतमबुद्धनगर जनपदवासियों को वहां के जनप्रतिनिधियों को बधाई देता हूं। हम सब जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी पूरे देश को ग्रीन मोबेलिटी और सस्टेनेबल डेवेलपमेंट के बारे में एक विजन दिया। प्रधानमंत्री का यह विजन उन वैश्विक चुनौतियों का समाना करने के लिए जो जाने अनजाने में भौतिक विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दुनिया ने स्वयं प्रदान किए हैं। या स्वयं का वर्चस्व स्थापित करने के लिए दुनिया पर युद्ध थोपे हैं। आज उसकी कीमत पूरी मानवता चुका रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, इन सबके साथ–साथ पश्चिम ऐसिया में चल रहे गतिरोध हम सबके सामने बड़ी चुनौतियां हैं। इसके चलते वायु प्रदूषण की भीषण समस्या, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओलावृष्टि का सामना पूरी दुनिया का करना पड़ रहा है। इसीलिए इन सब बातों को ध्यान में रखकर के प्रधानमंत्री मोदी के विजन को जमीनी धरातल पर उतारने के लिए जब 15 जून से भारत का सबसे बड़े एयरपोर्ट के संचालन का कार्य प्रारम्भ होने जा रहा है, तो नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के सुचारु वायुसेवा की दृष्टि से आने–जाने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नेट जीरो का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तीनो अथॉरिटी ने मिलकर यह प्रयास किया है। इस सेवा को शुभारम्भ करने के लिए तीनो अथॉरिटी के साथ परिवहन निगम को हृदय से धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री ने परिवहन मंत्री की ओर मुखातिब होकर कहा कि सभी गांवों को अच्छी परिवहन व्यवस्था के लिए कदम उठाएं। उसी गांव के युवा को प्रेरित करें। परमिट की व्यवस्था करें ताकि वह खुद अपनी बस निकाले और चलाए। इससे उसे रोजगार तो मिलेगा ही साथ में परिवहन की अच्छी व्यवस्था मिलेगी। हां इसके लिए मेहनत करनी होगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि पहले 15 जिलों में ही इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाता था।

नारीशक्ति को सलाम कर बोले प्रधानमंत्री, कहा–

अंतरिक्ष से लेकर आर्थिक जगत में आत्मनिर्भर बनाने में अहम

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की नारीशक्ति की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, अंतरिक्ष और नए आविष्कारों जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता देखकर उन्हें बहुत खुशी होती है। ड्रोन तकनीक जैसे आधुनिक क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से देश के विकास की तस्वीर बदल रही है। यह बदलाव प्रगति के नए रास्ते खोल रहा है। पीएम मोदी ने बताया कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से सहयोग दे रही है। इन समूहों की मदद से महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बन रही हैं। पिछले 12 वर्षों के दौरान एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास को प्राथमिकता दी है। आज इसका असर समाज के

हर छोटे–बड़े क्षेत्र में साफ दिखाई देता है। पीएम ने आगे कहा, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवास और खेल जैसे क्षेत्रों में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही व्यापार, विज्ञान और शासन में भी उनकी भागीदारी बढ़ी है। सरकार की कोशिशों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सम्मान, अवसर और मजबूती देना है। इससे एक ऐसा माहौल बना है जहां महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान दे रही हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी नियमित पोस्ट श्सुभाषितमश में एक श्लोक साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखारूश्नारी त्रैलोक्यजननी, नारी त्रैलोक्यरूपिणी। नारी त्रिभुवनाधारा, नारी शक्तिस्वरूपिणीघ्श साथ ही उन्होंने कहा कि भारत की नारी शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। हमारी माताएं, बहनें और बेटियां अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल से माँ भारती का गौरव बढ़ा रही हैं। सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

महुआ मोइत्रा का टीएमसी बागियों को कड़ा संदेश

इस्तीफा दो और भाजपा के टिकट पर चुनाव

कोलकाता,एजेंसी। शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस पर कंट्रोल की लड़ाई और तेज हो गई। पार्टी की सांसद महुआ मोइत्रा ने बागी सांसदों पर तीखा हमला किया, जबकि बागी सांसदों ने खुले तौर पर भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के साथ नजदीकी रिश्ते बनाने का समर्थन किया और संसद में अपनी अलग पहचान बनाने की योजना पर आगे बढ़े। यह टकराव तृणमूल कांग्रेस के अंदर बढ़ते संकट के बीच हो रहा है, जो हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पैदा हुआ है। बागी सांसदों के एक गुट ने लोकसभा में बैठने के लिए अलग व्यवस्था की मांग की है, वहीं पार्टी से अलग हुए वरिष्ठ नेताओं ने नेतृत्व के कामकाज और भविष्य की दिशा पर खुलेआम सवाल उठाए हैं।

एक्स पर एक पोस्ट में मोइत्रा ने तर्क दिया कि बागी नेता संवैधानिक प्रावधानों को गलत समझ रहे हैं और वे एक अलग संसदीय गुट के तौर पर मान्यता का दावा नहीं कर सकते। उन्होंने लिखा कि टीएमसी के गद्दार सांसदों को कानून की जानकारी नहीं है। संविधान के 91वें संशोधान (2003) में अलग गुट बनाने का प्रावधान खत्म कर दिया गया था। सांसदों की संख्या मायने नहीं रखती। मूल राजनीतिक पार्टी के दो–तिहाई सदस्यों को किसी दूसरी पार्टी में विलय करना होता है। सभी 19 गद्दारों को इस्तीफा देकर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना होगा।

कृष्णानगर की सांसद ने अपनी एक पुरानी पोस्ट का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर बागी सांसद टीएमसी के दो–तिहाई सांसदों का समर्थन हासिल भी कर लेते हैं, तो भी वे अपने–आप एक स्वतंत्र संसदीय समूह के तौर पर काम करने के हकदार नहीं हो जाएंगे। मोइत्रा के अनुसार, ऐसा कोई भी कदम उठाने पर दल–बदल विरोधी कानून के तहत विलय से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों का पालन करना होगा। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में सुभाष देसाई बनाम महाराष्ट्र के राज्यपाल के प्रधान सचिव मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2023 के फैसले का भी हवाला दिया।

पार्टी लीडरशिप ने बागी गुट की बात को खारिज कर दिया है, लेकिन बागी गुट के सदस्य अभी भी पूरे भरोसे के साथ अपनी बात कह रहे हैं। बात करते हुए, बागी सांसद अरूप चक्रवर्ती ने दावा किया कि संसद में अलग बैठने की गुट की मांग का करीब 20 सांसद समर्थन कर रहे हैं।

जगत प्रकाश नड्डा बोले-

मोदी सरकार के 12 वर्षों में हिमाचल को मिली विकास की नई रफ्तार

शिमला। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के अंतर्गत शिमला में आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन में केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्षों को भारत के इतिहास में स्वर्णिम बताते हुए कहा कि ये वर्ष विकसित भारत की मजबूत नींव रखने वाले परिवर्तनकारी कालखंड रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन 12 वर्षों में हिमाचल प्रदेश को विकास की नई रफ्तार मिली है, विशेषकर सड़क, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। जगत प्रकाश नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि एम्स बिलासपुर, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से हिमाचल प्रदेश की तस्वीर पूरी तरह बदल गई

है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं ने न केवल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया है, बल्कि कनेक्टिविटी में भी अभूतपूर्व सुधार किया है, जिससे प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों तक विकास पहुंचा है। नड्डा ने जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के लाखों परिवारों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की है, रसोई गैस कनेक्शन प्रदान कर महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई है, और करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए हैं। हिमाचल प्रदेश में भी इन योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में परिवार लाभान्वित हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगातार 4399 दिनों तक देश के प्रधान सेवक के रूप में कार्य करना एक नया कीर्तिमान है, जो 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आह्वान किए गए अमृतकाल में, वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की मजबूत नींव पिछले 12 वर्षों में रखी जा चुकी है। नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश की राजनीति जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस सोच को बदलते हुए राजनीति को सेवा, सुशासन और जवाबदेही का माध्यम बनाया। उन्होंने ष्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासष के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि आज मोदी सरकार 140 करोड़ भारतीयों की सरकार के रूप में कार्य कर रही है। उन्होंने जम्मू–कश्मीर से धारा 370 हटाना, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण, तीन तलाक और सीएए जैसे ऐतिहासिक निर्णयों का उल्लेख किया, जिन्होंने देश के भविष्य को बदला है। नड्डा ने कहा कि विकास, सुशासन और जनकल्याण के बल पर भाजपा को लगातार तीसरी बार जनता का आशीर्वाद मिला है।

राहुल गांधी बोले : कमजोर पीएम मोदी नहीं कर सकते भारत मां के बेटों की रक्षा, यूएस हमले पर सवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने ओमान के तट पर एक कमर्शियल जहाज पर तीन भारतीय नाविकों की मौत पर मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए। गांधी ने कहा कि कमजोर प्रधानमंत्री भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने मोदी पर आरोप लगाया कि उनमें भारतीय नागरिकों की जान जाने के लिए जिम्मेदार लोगों का सामना करने की हिम्मत और ताकत नहीं है। एकस पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि तीन दिनों के अंदर इंटरनेशनल पानी में तीन जहाजों पर हुए अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय

मारे गए हैं। और हमारे मजबूर प्रधानमंत्री? एक शब्द भी नहीं। जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करती है, तो प्रधानमंत्री को बोलना चाहिए। लेकिन भगवान न करे कि वह एक शब्द भी बोलें। अगले हफ्ते जी7 में, हमारे नाविकों की हत्या के कुछ ही दिनों बाद, मोदी जी मुस्कुराएंगे, गले मिलेंगे और समझौतों पर साइन करेंगे – लेकिन उन तीन भारतीयों के लिए उनके पास कहने को एक शब्द भी नहीं होगा। एक मजबूर प्रधानमंत्री भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकता, क्योंकि उनमें उन लोगों का सामना करने की हिम्मत या ताकत नहीं है जिन्होंने उन बेटों की जान ली। ओमान की खाड़ी में कमर्शियल टैंकर 'MT सेटेबेलो' पर अमेरिकी सेना के हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद ये टिप्पणियां आईं। अमेरिकी सेना ने आरोप लगाया था कि यह जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी का उल्लंघन कर रहा था, जिसके बाद बुधवार को इस पर गोलीबारी हुई। जहाज पर मौजूद 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से 21 को बचा लिया गया, जबकि तीन की मौत की पुष्टि हुई। शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट के पास कमर्शियल जहाजों पर हो रहे हमलों के खिलाफ कड़ा विरोधा दर्ज कराने के लिए अमेरिकी चार्ज डी अफेयर्स जेसन मीक्स को तलब किया।

यूएस राजनयिक को फिर किया तलब

नई दिल्ली,एजेंसी। ओमान की खाड़ी में भारतीय नाविकों वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी नौसेना के हमलों के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कार्यवाहक दूत जेसन मीक्स को तलब कर कड़ा विरोध जताया है। अपनी चिंताओं से अवगत कराते हुए भारत ने अमेरिका से नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। भारत के विदेश मंत्रालय ने बड़ा और सख्त राजनयिक कदम उठाया है। विदेश मंत्रालय ने भारत में अमेरिकी मिशन के कार्यवाहक दूत जेसन मीक्स को तलब किया। साउथ ब्लॉक में हुई इस बैठक के दौरान भारत ने अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई पर अपना विरोध दर्ज कराया। मामला ओमान की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हाल ही में अमेरिकी नौसैनिक बलों की ओर से किए गए हमलों से जुड़ा हुआ है।

राम मंदिर में में 7 करोड़ चढ़ावा चोरी! संजय राउत ने कहा–

भाजपा हर जगह कर रही डकैती

शिवसेना,एजेंसी। के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के 7 करोड़ रुपये के कथित गबन को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकारों की आलोचना की और दावा किया कि भाजपा में चोरी बड़े पैमाने पर होती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का सब कुछ चुराने का इतिहास रहा है, जिसमें EVM और भगवान राम के लिए भक्तों का चढ़ावा भी शामिल है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने घोषणा की कि शिवसेना (UBT) अयोध्या जाकर भगवान राम के सामने सिर झुकाएगी और उनसे माफी मांगेगी। राउत ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे के तौर पर आए 5 करोड़ रुपये से ज्यादा की जो डकैती हुई, वह CCTV

फुटेज में साफ दिख रही है... अगर राम को चढ़ाए गए 5 करोड़ रुपये चोरी हो जाते हैं, तो इसके लिए न्च और केंद्र, दोनों जगह आपकी सरकार जिम्मेदार है। आप म्टड, वोट और सीटें तो चुराते ही हैं, अब राम के चढ़ावे से भी चोरी कर रहे हैंय आपके साथ हर जगह चोरी ही चोरी है... हमें लगता है कि भगवान राम हमें वापस बुला रहे हैं। कल मैंने उद्धव ठाकरे जी से बात की और कहा कि हमें अयोध्या जाना चाहिए। इसलिए, अयोध्या जाने का कार्यक्रम बनाया जा रहा है। हम सबसे पहले अयोध्या जाएँगे। हम सबसे पहले भगवान राम से मिलेंगे। हम सिर झुकाकर भगवान श्री राम से माफी माँगेंगे। समाजवादी पार्टी (SP) के प्रमुख अखिलेश यादव के इन आरोपों के बाद राउत की टिप्पणी आई है कि दान में मिली बड़ी रकम गायब हो गई है और उन्होंने इसकी न्यायिक जांच की मांग की है।

सांसद प्रवीण पटेल के पीआरओ टीएन सिंह का दिल का दौरा पड़ने से निधन

प्रयागराज। फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल के पीआरओ टीएन सिंह (58) का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। शुक्रवार को सुबह नौ बजे उन्हें अटैक आया। परिजन उन्हें लेकर शहर के एक निजी अस्पताल जा रहे थे कि शास्त्री पुल पर ही उनकी सांसें थम गईं। फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल के पीआरओ टीएन सिंह (58) का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। शुक्रवार को सुबह नौ बजे उन्हें अटैक आया। परिजन उन्हें लेकर शहर के एक निजी अस्पताल जा रहे थे कि शास्त्री पुल पर ही उनकी सांसें थम गईं। हालांकि परिजन उनको लेकर अस्पताल पहुंचे लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उनके निधन से परिवार में कोहराम मच गया। प्रयागराज के सहसों क्षेत्र के ललचहां गांव निवासी त्रिलोकीनाथ सिंह (टीएन सिंह) सांसद प्रवीण सिंह पटेल के पीआरओ थे। वह सांसद प्रवीण पटेल से करीब दो दशक से जुड़े थे। उनके दो बेटा और एक बेटी है। शुक्रवार को सुबह नौ बजे उनको दिल का दौरा पड़ने पर परिजन आननफानन उन्हें लेकर शहर के निजी चिकित्सालय जा रहे थे। शास्त्री पुल पर ही उनकी सांसें थम गईं।

परिजन जब अस्पताल पहुंचे तो चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंच गए। सांसद प्रवीण पटेल दिल्ली में हैं। उनको आज दिल्ली से राजस्थान किसी कार्यक्रम में जाना था, लेकिन घटना की सूचना मिलने पर उन्होंने अपना सारा कार्यक्रम निरस्त कर दिया और वह प्रयागराज के लिए रवाना हो गए हैं।

युवक की गोली मारकर हत्या के मामले में पूर्व प्रधान समेत चार हिरासत में

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र के गोती गांव में पूर्व प्रधान विनोद सिंह के पुत्र कुश सिंह (20) की हत्या के मामले में गांव के ही पूर्व प्रधान समेत चार के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने वारदात के बाद ही चारों को हिरासत में ले लिया था। औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र के गोती गांव में पूर्व प्रधान विनोद सिंह के पुत्र कुश सिंह (20) की हत्या के मामले में गांव के ही पूर्व प्रधान समेत चार के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने वारदात के बाद ही चारों को हिरासत में ले लिया था। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। हत्या के पीछे भूमि विवाद की बात सामने आ रही है। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने बृहस्पतिवार आधी रात के बाद पूर्व प्रधान विनोद सिंह की तहरीर पर पूर्व प्रधान बच्चालाल यादव निवासी नैनी, पिंटू यादव निवासी विशंभरपुर, सुरेश यादव निवासी गोती गांव और उसके पुत्र कमल यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

विनोद सिंह का आरोप है कि बच्चा लाल यादव से पूर्व में जमीन का विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर वह लगातार धमकी दे रहा था। जमीन विवाद की पुरानी रंजिश को ही लेकर उसके बेटे की गोली मारकर हत्या की गई है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने नामजद चारों आरोपियों को कल ही पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया था। औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी कमलेश पटेल ने बताया कि प्राथमिक दर्ज कर ली गई है, लेकिन अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

निशान चढ़ाने जा रहे श्रद्धालुओं की पिकप बहरिया में पलटी, 12 से अधिक लोग घायल

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के अतनपुर गांव से निशान लेकर पड़िला महादेव मंदिर चढ़ाने जा रहे श्रद्धालुओं की पिकअप डाला अतनपुर गांव के सामने पलट गई। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

बहरिया थाना क्षेत्र के अतनपुर गांव से पड़िला स्थित पांडेश्वर नाथ धाम मंदिर में निशान चढ़ाने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप डाला बृहस्पतिवार दोपहर करीब 11.20 बजे गांव से निकलने के कुछ ही देर बाद अतनपुर गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। ग्रामीणों के अनुसार श्रद्धालु निशान लेकर पांडेश्वर नाथ धाम पड़िला मंदिर जा रहे थे। गांव से कुछ ही दूरी पर ओवरटेक के दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे पिकअप डाला सड़क किनारे पलट गई।

दुर्घटना होते ही मौके पर चीख–पुकार मच गई। वाहन में सवार कई लोग उसके नीचे दब गए। आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। ग्रामीणों की मदद से वाहन के नीचे दबे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद लोगों की सहायता से सभी घायलों को तत्काल एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में एंबुलेंस की मदद से घायलों को उपचार के लिए दोनैया स्थित पटेल नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया।

हादसे में रंजना देवी (40 वर्ष), आशू, विनय कुमार, संजू, अर्चना पटेल, विमल पटेल, कोमल पटेल, काजल पटेल, खुशी पटेल, रिया पटेल, सुमन पटेल, अर्चना, चंदा और सरोज सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। चिकित्सकों के अनुसार कई घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका उपचार जारी है। ग्रामीणों की तत्परता और समय पर किए गए राहत एवं बचाव कार्य से सभी घायलों को शीघ्र अस्पताल पहुंचाया जा सका।

शास्त्री पुल पर लगा भीषण जाम, सुबह से ही रेंग रहे हैं वाहन

प्रयागराज। प्रयागराज में यातायात व्यवस्था नियंत्रण के बाहर हो गई है। प्रयागराज–वाराणसी हाईवे पर गंगा के ऊपर बने शास्त्री पुल पर भीषण जाम लगा हुआ है। शुक्रवार को सुबह से ही वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं। प्रयागराज में यातायात व्यवस्था नियंत्रण के बाहर हो गई है। प्रयागराज–वाराणसी हाईवे पर गंगा के ऊपर बने शास्त्री पुल पर भीषण जाम लगा हुआ है। शुक्रवार को सुबह से ही वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं। जो वाहन जहां खड़े थे दो घंटे बाद वहीं पर हैं। पुलिस प्रशासन सिर्फ मूकदर्शक बना हुआ है। शास्त्री पुल की मरम्मत के लिए यातायात वन वे किया गया है। वाहनों का रूट डायवर्जन कर दिया गया है।

वाराणसी से कानपुर और कानपुर, लखनऊ और प्रयागराज से वाराणसी की तरफ जाने वाले वाहनों को फाफामऊ, सहसों होकर भेजा जा रहा है। छोटे वाहनों और दोपहिया वाहनों को ही शास्त्री पुल से गुजरने की अनुमति है। बावजूद इसके यहां पर जाम ने लोगों की दिनचर्या बिगाड़ दी है। सिपाही भर्ती परीक्षा में परीक्षार्थियों की भीड़ के मद्देनजर तीन दिन के लिए शास्त्री पुल पर वन वे व्यवस्था को खत्म करके दोनों लेन पर आवागमन शुरू कर दिया गया था। परीक्षा खत्म होने के बाद फिर वन वे व्यवस्था लागू करने के साथ ही जाम शुरू हो गया है। यूपी लोक सेवा आयोग के एक सदस्य दो घंटे से जाम में फंसे हुए हैं। उन्होंने फोन पर बताया कि भीषण गर्मी के चलते लोगों की हालत खराब हो गई है। कहीं से कोई राहत की उम्मीद नहीं दिख रही है। इसी तरह स्कूल और कोचिंग जाने वाले, दफ्तर जाने वाले और ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन जाने वाले लोग परेशान हैं।

अखिलेश यादव की बेटी अदिति के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट का मामला कोर्ट पहुंचा, पुलिस से रिपोर्ट तलब

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पुत्री अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से प्रसारित अश्लील व मानहानिकारक सामग्री के मामले में प्रयागराज की एसीजेएम कोर्ट ने पुलिस से रिपोर्ट तलब की है। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष योगेश चन्द्र यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने मामले की जांच रिपोर्ट मांगी और अगली सुनवाई के लिए 18 जून 2026 की तारीख तय की है।

प्रयागराज में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव व उनकी पुत्री अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री का मामला न्यायालय पहुंच गया है। इस संबंध में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष योगेश चंद्र यादव ने एसीजेएम न्यायालय में प्रार्थनापत्र दाखिल कर संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग

की है।

सपा नेता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता इमरान उल्लाह और विनीत विक्रम ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 173(4) के तहत न्यायालय में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स से अखिलेश यादव और उनकी पुत्री अदिति यादव के खिलाफ अश्लील, अपमानजनक, मानहानिकारक और सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाली सामग्री प्रसारित की गई।

प्रार्थनापत्र में कहा गया है कि संबंधित पोस्ट और टिप्पणियां न केवल व्यक्तियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाली हैं, बल्कि समाज में दुर्भावना और तनाव का माहौल भी उत्पन्न कर सकती हैं। याचिका में ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स की पहचान कर उनके संचालकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की गई है।

सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर अंकुश की मांग

अधिवक्ताओं ने न्यायालय में कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर किसी व्यक्ति की छवि धूमिल करने के प्रयासों पर प्रभावी कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। उनका कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाने से सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

कोर्ट ने मांगी पुलिस रिपोर्ट, 18 जून को सुनवाई

मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद एसीजेएम न्यायालय ने संबंधित पुलिस अधिकारियों से रिपोर्ट तलब कर ली है। न्यायालय ने पुलिस को मामले के तथ्यों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही मामले में विस्तृत सुनवाई के लिए 18 जून की तिथि निर्धारित की गई है।

बिजली कटौती से पुराने शहरवासी परेशान, छूटे पसीने

प्रयागराज। भीषण गर्मी के बीच शहर की बिजली व्यवस्था लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। फॉल्ट, ट्रिपिंग, केबल जलने और लोड बैलेंसिंग के नाम पर लगातार हो रही बिजली कटौती से उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल पा रही है। हालात यह हैं कि शहर के अलग–अलग इलाकों में बुधवार देर रात से लेकर बृहस्पतिवार देर रात तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही।

सेवई मंडी क्षेत्र में अंडरग्राउंड केबल में फॉल्ट आने से बुधवार रात करीब नौ बजे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। फॉल्ट गंभीर होने के कारण पूरे इलाके में लगभग 22 घंटे तक बिजली गुल रही। विभाग की ओर से नया केबल लगाने और मरम्मत कार्य के बाद बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे आपूर्ति बहाल की जा सकी।

एसडीओ अनिल यादव ने बताया कि अंडरग्राउंड केबल में फॉल्ट की सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी। बृहस्पतिवार दोपहर से लगातार मरम्मत कार्य और नया केबल लगाने का काम किया गया। फॉल्ट दूर होने के बाद शाम करीब 7 बजे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

बुधवार रात से बिजली गुल होने के कारण पूरी रात और दिनभर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी में घरों में रहना मुश्किल हो गया। सुबह मोटर नहीं चलने से पानी की समस्या उत्पन्न हो गई। –मोहम्मद तस्लीम रजा, स्थानीय निवासी

करीब 22 घंटे बिजली नहीं रहने से लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई। मोबाइल चार्ज नहीं हो सके, कूलर–पंखे बंद रहे और कई लोग अपने जरूरी काम भी नहीं कर पाए। –मोहम्मद नसीम, स्थानीय निवासी

बृहस्पतिवार को लेडीज पार्क के पास 11 केवी की केबल जल जाने से साउथ मलाका, आजाद नगर, क्रॉउन होटल और आसपास के क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति शाम करीब चार बजे ठप हो गई। देर रात तक मरम्मत कार्य चलता रहा। क्षेत्र में अंधेरा छाया रहने से लोगों को उमस और गर्मी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जेई रितेश दिवाकर ने बताया कि केबल बदलने और फॉल्ट दुरुस्त करने का काम जारी है। तथा देर रात तक आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

उधर चौफटका, सुलेमसराय, ताड़बाग और बमरौली फीडर से जुड़े इलाकों में बुधवार रात करीब 11 बजे बिजली चली गई। जो रात 2रू30 बजे के बाद ही बहाल हो सकी। करीब साढ़े तीन घंटे की कटौती से लोग रातभर गर्मी में परेशान रहे। कई परिवारों को घरों की छतों और बाहर खुले स्थानों पर समय बिताना पड़ा।

पुराने शहर के बैगन टोला, याकूदगंज, दायरा शाह अजमल, कोल्हान टोला और मंसूर पार्क क्षेत्रों में बुधवार रात से लेकर बृहस्पतिवार दिनभर बिजली की आंख–मिचौली जारी रही। स्थानीय लोगों के अनुसार चार से पांच बार आधे–आधे घंटे के लिए बिजली काटी गई। कहीं फॉल्ट तो कहीं लोड बैलेंसिंग के कारण आपूर्ति बाधित रही।

करेली, हिम्मतगंज और खुल्दाबाद क्षेत्रों में बुधवार रातभर और बृहस्पतिवार को भी दिनभर तीन से चार बार बिजली कटौती की गई। वहीं लूकरगंज क्षेत्र में एबीसी केबल को ठीक करने के लिए बिजली आपूर्ति कुछ समय के लिए बंद रखी गई। इसके अलावा कई बार ट्रिपिंग के कारण भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी।

कीडगंज, रामबाग, बैरहना, मुट्ठीगंज, गऊघाट, कटघर और कोठापार्चा क्षेत्रों में बुधवार रात 11 बजे से लेकर गुरुवार सुबह तक चार से पांच बार बिजली बाधित हुई। आधे घंटे से लेकर एक घंटे तक की कटौती के कारण लोगों की नींद प्रभावित हुई। सुबह के समय बिजली न रहने से पानी की समस्या और गंभीर हो गई।

तेलियरगंज, गोविंदपुर, सलोरी, छोटा बघाड़ा, कटरा और कर्नलगंज क्षेत्रों में भी रातभर बिजली की आंख–मिचौली जारी रही। यहां भी चार से पांच बार बिजली कटौती की गई। बृहस्पतिवार को भी ऐसे ही हालात बने रहे। सुबह के समय बिजली न मिलने से पानी की आपूर्ति प्रभावित रही और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

केंद्रांचल उपकेंद्र से जुड़े न्याय नगर, कबीर मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में भी दिनभर तीन से चार बार बिजली आती–जाती रही। बार–बार हो रही कटौती से उपभोक्ताओं में नाराजगी देखी गई। धूमनगंज, हरवारा, इलाकों में भी बिजली की आवाजाही जारी रही।

काटजू सड़क स्थित कॉल्विन अस्पताल के पास जंपर खराब होने से सुबह सात बजे से नौ बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। सुबह के समय बिजली न मिलने से कई घरों में मोटर नहीं चल सकी।

सावधान! एटीएम में कार्ड फंस जाए तो किसी को न बताएं पिन, शहर में गैंग सक्रिय

प्रयागराज। एटीएम में गोंद लगाकर ठगी करने वाले गिरोह शहर में फिर सक्रिय हो गए हैं। आए दिन सामने आ रहे मामलों के बावजूद लोग जालसाजों के झांसे में आ रहे हैं। ताजा मामला कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम का है। एटीएम में गोंद लगाकर ठगी करने वाले गिरोह शहर में फिर सक्रिय हो गए हैं। आए दिन सामने आ रहे मामलों के बावजूद लोग जालसाजों के झांसे में आ रहे हैं। ताजा मामला कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम का है। यहां तीन शातिरों ने एटीएम कार्ड फंसाकर युवक के खाते से 71,050 रुपये पार कर दिए।

पीड़ित मोहम्मद आसिफ खान के अनुसार, उनका बेटा मोहम्मद फहीम खान एटीएम से रुपये निकालने गया था। कार्ड लगाते ही अंदर फंस गया। वह काफी देर तक परेशान होता रहा। तभी वहां पहले से मौजूद युवकों ने उसे एक हेल्पलाइन नंबर देकर फोन करने के लिए कहा। फोन पर मौजूद युवक ने खुद को बैंककर्मी बताया। उसने पिन पूछ लिया। काफी प्रयास के बाद जब कार्ड नहीं निकला तो वह मशीन में कार्ड छोड़कर चले गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से जांच की तो तीन संदिग्ध नजर आए। आरोपियों ने प्लास की मदद से कार्ड निकाल लिया और अलग–अलग ट्रांजेक्शन के जरिये 71,050 रुपये निकाल

लिए। कैंट पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाद में पता चला कि मशीन में पहले से गोंद जैसी चिपकाने वाली सामग्री डाली गई थी।

15,450 रुपये की शराब खरीदी

आसिफ खान ने बताया कि आरोपियों ने सबसे पहले ट्रैफिक चौराहा स्थित यूनियन बैंक के एटीएम से 25 हजार रुपये निकाले। इसके बाद कार्ड स्वाइप कर खरीदारी भी की। स्पीड मोटर्स नामक प्रतिष्ठान पर 8 हजार, 7 हजार, 5 हजार और 10,600 रुपये के ट्रांजेक्शन किए गए। फिर संगम ट्रेडर्स शराब की दुकान से दो बार में 15,450 रुपये की शराब खरीदी। खाते से रकम कटने की जानकारी मिलने पर ठगी का पता चला।

कार्ड फंसाकर आए दिन हो रही ठगी

शहर में एटीएम कार्ड क्लोनिंग, कार्ड बदलने और गोंद लगाकर कार्ड फंसाने जैसी घटनाएं समय–समय पर सामने आती रही हैं। इसके बावजूद लोग सतर्कता नहीं बरत रहे। साइबर सेल प्रभारी धनश्याम यादव का कहना है कि थोड़ी सी सावधानी बड़ी आर्थिक क्षति से बचा सकती है। अगर एटीएम में कार्ड फंस जाए, तो मददगार बनकर खड़े लोगों से ज्यादा भरोसा बैंक कर्मियों और पुलिस पर करें। यही सतर्कता आपको साइबर ठगों का अगला शिकार बनने से बचा सकती है।

ऐसे बचें एटीएम ठगी से

– किसी भी अनजान व्यक्ति की मदद न लें।

– एटीएम का पिन, ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी किसी को न बताएं।

– मशीन पर लिखे किसी मोबाइल नंबर पर कॉल न करें।

– कार्ड फंसने पर तुरंत बैंक की आधिकारिक हेल्पलाइन पर संपर्क करें।

– संदिग्ध गतिविधि दिखे तो 112 या नजदीकी थाने को सूचना दें।

– एटीएम से लेनदेन के दौरान आसपास मौजूद लोगों पर नजर रखें।

गिरोह के दो आरोपी चल रहे फरार

मई 2026 को करेली में महिला अधिवक्ता समेत दो लोगों के एटीएम कार्ड को मशीन में फंसाकर 81 हजार रुपये की चपत लगाई थी।

दुकान की नीलामी पर रोक, हाईकोर्ट ने नई प्रक्रिया शुरू करने के दिए निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नगर पंचायत बभनान बाजार की ओर से दुकानों की नीलामी के लिए 8 मई 2026 की जारी सार्वजनिक सूचना को निरस्त कर दिया है। साथ ही कानून के अनुरूप नई नीलामी प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नगर पंचायत बभनान बाजार की ओर से दुकानों की नीलामी के लिए 8 मई 2026 की जारी सार्वजनिक सूचना को निरस्त कर दिया है। साथ ही कानून के अनुरूप नई नीलामी प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह की खंडपीठ ने कृष्ण कुमार सिंह की याचिका पर दिया है।

बस्ती जिले की नगर पंचायत बभनान बाजार में 66 दुकानों के नीलामी के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की गई थी। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की।

याची अधिवक्ता ने दलील दी कि सामाजिक रूप से पिछड़े और वंचित लोगों के लिए आरक्षण की व्यवस्था नहीं की गई थी। याची वर्ष 2018 से नियमित रूप से किराया देकर संबंधित दुकान का संचालन कर रहा है, लेकिन नीलामी प्रक्रिया में केवल स्थानीय स्थायी निवासियों को आवेदन की अनुमति दी गई।

याची को बाहर कर दिया गया। नीलामी के लिए प्रस्तावित दुकानों का आकार और स्थान स्पष्ट नहीं किया गया था। ऐसे में पूरी नीलामी प्रक्रिया अवैध है और रद्द किया जाना चाहिए। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद प्रथम दृष्टया मामले को विचारणीय माना। नगर पंचायत की ओर से पेश लिखित निर्देशों में बताया गया कि वह मौजूदा अधिसूचना वापस लेकर कानून के अनुसार नई प्रक्रिया शुरू करेगी। इसके बाद अदालत ने 8 मई 2026 की नीलामी सूचना को रद्द करते हुए नगर पंचायत को निर्देश दिया कि वह न्यायालय की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए नई अधिसूचना जारी करे।

पीड़िता के शरीर पर बाहरी चोट न होना दुष्कर्म के आरोप को झुठलाने का आधार नहीं

प्रयागराज। हर मामले में पीड़िता के शरीर पर बाहरी चोट न होने के आधार पर दुष्कर्म के आरोप को झूठा नहीं ठहराया जा सकता। इस महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए सजा को जेल में बिताई गई अवधि में बदल दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकलपीठ ने हबीब की अपील पर दिया।

बरेली निवासी याची हबीब पर वर्ष 1985 में नौ वर्षीय बालिका से दुष्कर्म का आरोप लगा था। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आठ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी, जिसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि पीड़िता के शरीर पर कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई थी। गवाहियों में कुछ विरोधाभास थे और जब्त किए गए कपड़ों व मिट्टी की फोरेंसिक जांच भी नहीं कराई गई थी। इसलिए आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि मामूली विरोधाभासों या जांच की कुछ कमियों के आधार पर पूरे अभियोजन मामले को खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि दुष्कर्म के हर मामले में पीड़िता के शरीर पर चोट के निशान मिलना जरूरी नहीं है। कई बार उम्र, भय, दबाव या अन्य परिस्थितियों के कारण पीड़िता प्रतिरोध नहीं कर पाती, इसलिए चोटों का न होना सहमति या झूठे आरोप का प्रमाण नहीं माना जा सकता। अदालत ने पाया कि उपलब्ध साक्ष्य आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखने के लिए पर्याप्त हैं। आरोपी लगभग सात वर्ष की सजा पहले ही जेल में काट चुका है, जबकि उसे आठ वर्ष की सजा सुनाई गई थी। ऐसे में हाईकोर्ट ने दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए सजा को घटाकर पहले से भुगती गई अवधि तक सीमित कर दिया। इस प्रकार अपील आंशिक रूप से स्वीकार कर ली गई।

जुलाई–अगस्त से शुरू होगा नंद गांव पार्क का निर्माण, दो करोड़ का बजट स्वीकृत

प्रयागराज। राजरूपपुर के नंद गांव में एक विशाल पार्क का कायाकल्प किया जा रहा है। यह पार्क 32 बीघे में फैला है। इसका बजट भी नगर निगम प्राप्त हो चुका है। ऐसे में जुलाई व अगस्त महीने से पार्क का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। इसे प्रयागराज विकास प्राधिकरण की आवासीय योजना के तहत एक अत्याधुनिक मॉडल पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा।

नगर निगम ने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इसके जीर्णोद्धार के लिए दो करोड़ रुपये से अधिक का बजट तय किया गया है। पार्क के कायाकल्प की प्रक्रिया अगले दो महीने के भीतर शुरू करने की तैयारी है। यह पार्क राजरूपपुर और आसपास के कालिंदीपुरम क्षेत्र के निवासियों को लाभ पहुंचाएगा।

पार्क में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष सुविधाएं होंगी। वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर पौधे लगाए जाएंगे। इससे पार्क की सुंदरता भी बढ़ेगी। रात्रि में सुरक्षा के लिए आधुनिक स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था की जाएगी।

बच्चों और युवाओं के लिए सुविधाएं

बच्चों के मनोरंजन के लिए सुरक्षित खेल मैदान और अत्याधुनिक झूले लगाए जाएंगे। विशेष इंटरैक्टिव एलईडी डिस्प्ले बोर्ड बच्चों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करेंगे। ये बोर्ड युवाओं को साइबर सुरक्षा की जानकारी भी देंगे। फिटनेस के शौकीन युवाओं के लिए आधुनिक कसरत उपकरणों से लैस ओपन जिम का निर्माण किया जाएगा। वहीं सुबह और शाम टहलने वालों के लिए सिंथेटिक जॉगिंग ट्रैक का भी निर्माण किया जाएगा।

बुजुर्गों और आम जनता के लिए व्यवस्थाएं

बुजुर्गों के बैठने के लिए आरामदायक कुर्सियां और बेंच लगाई जाएंगी। उनके लिए एक शांत और सुखद वातावरण तैयार किया जाएगा। पार्क परिसर के भीतर शुद्ध पेयजल के लिए आरओ वाटर कूलर की व्यवस्था होगी। बड़े पैमाने पर छायादार और सजावटी पौधे लगाए जा रहे हैं। यह पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सामुदायिक केंद्र बनेगा।

राजरूपपुर में पार्क के कायाकल्प का बजट प्राप्त हो चुका है। जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जुलाई व अगस्त महीने से पार्क के कायाकल्प का कार्य शुरू हो जाएगा। साईं तेजा, नगर आयुक्त।

एआई जनरेटेड अश्लील फोटो वायरल करने के मामले में आरोपी को अग्रिम जमानत

प्रयागराज। जिला अदालत ने एआई जनरेटेड अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। यह आदेश अपर सत्र न्यायाधीश राहुल सिंह ने दिया।

आरोपी अर्श श्रीवास्तव के खिलाफ कैंट थाने में वसूली, धमकी और आईटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई है।पीड़िता ने आरोप लगाया था कि पारिवारिक विवाद से जुड़े प्रकरण में पैरवी करने के कारण उन्हें धमकाया गया।

संक्षिप्त

लखनऊ-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में बम की सूचना,जांच के बाद फर्जी निकली धमकी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान में शुक्रवार सुबह बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल जांच शुरू की, जिसके बाद पता चला कि यह धमकी फर्जी थी। विमान में सवार सभी 180 यात्री सुरक्षित हैं। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई2111 सुबह 10.45 बजे लखनऊ से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली थी। विमान में 180 यात्री सवार हो चुके थे। इसी दौरान विमान के शौचालय में एक टिश्यू पेपर पर बम विस्फोट की धमकी लिखी मिली। इसकी जानकारी मिलते ही पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचित किया। यात्रियों में दहशत फैल गई। एयरपोर्ट प्रशासन ने तत्काल बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड, मेडिकल टीम और फायर टीम सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों को मौके पर बुलाया। सुरक्षा कर्मियों ने विमान की गहनता से जांच की। काफी देर तक चली पड़ताल के बाद भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बाद में यह पुष्टि हुई कि यह किसी शरारती तत्व द्वारा की गई फर्जी करतूत थी। जांच पूरी होने और धमकी के फर्जी पाए जाने के बाद यात्रियों और एयरपोर्ट प्रशासन ने राहत की सांस ली। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि अब यह विमान जल्द ही अपने गंतव्य के लिए रवाना होगा।

गत्ते में 7 दिन की बच्ची लावारिस मिली

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में कन्वेंशन सेंटर के पास आधी रात को गत्ते में 7 दिन की मासूम मिली है। बच्ची रो रही थी। रोने की आवाज सुनकर बच्ची के पास राहगीर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने डिब्बा खोला तो बच्ची कॉटन के बीच रखी गई थी। बच्ची को गुलाबी टॉप और डायपर पहनाया गया था। सूचना मिलते ही पीआरवी, गाजीपुर थाना पुलिस और सर्वोदय नगर चौकी की टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी सुरक्षा में लिया। पुलिस के अनुसार करीब 11रू40 बजे पीआरवी को नवजात बच्ची मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद पुलिस टीम ने बच्ची को तत्काल अपने संरक्षण में लेकर उसकी स्वास्थ्य जांच कराई। प्राथमिक जांच में बच्ची स्वस्थ बताई जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि बच्ची को वहां छोड़कर जाने वाले व्यक्ति की पहचान की जा सके। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है और बच्ची की देखभाल के लिए संबंधित विभागों को भी सूचना दी गई है। पुलिस का कहना है कि नवजात को छोड़कर जाने वाले व्यक्ति की तलाश की जा रही है। सीसीटीवी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

लखनऊ में ब्राउन शुगर के 2 तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने लखनऊ से ब्राउन शुगर सप्लाई करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 600 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रुपए है। दोनों आरोपी नेपाल से ब्राउन शुगर लाकर महाराष्ट्र के शहरों में सप्लाई करते थे। एसटीएफ ने बुधवार रात इटौंजा टोल प्लाजा के पास कार्रवाई करते हुए लखीमपुर खीरी निवासी प्रकाश सिंह और आकाशदीप सिंह को गिरफ्तार किया। टीम को सूचना मिली थी कि दोनों तस्कर ब्राउन शुगर की खेप लेकर लखनऊ आ रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी की सूचनाओं के बाद एसटीएफ की बरेली यूनिट लगातार निगरानी कर रही थी। इसी दौरान मिले इनपुट के आधार पर इटौंजा टोल प्लाजा पर जाल बिछाया गया। रात करीब 8रू50 बजे दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। तलाशी में 600 ग्राम ब्राउन शुगर के अलावा एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, चार एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड और 150 नेपाली रुपये बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नेपाल से हेरोइन (ब्राउन शुगर) खरीदकर लाते थे और उसे मुंबई व पुणे में ऊंचे दामों पर बेचते थे। इससे उन्हें अच्छी कमाई होती थी। एसटीएफ अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ इटौंजा थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आगे की जांच और कार्रवाई स्थानीय पुलिस कर रही है।

लखनऊ में लुलु मॉल के सामने बनेगा फुट ओवरब्रिज

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में शहीद पथ पर स्थित लुलु मॉल के पास जल्द ही 100 मीटर लंबा और 5 मीटर चौड़ा अत्याधुनिक स्काई वॉक (फुट ओवरब्रिज) बनाया जाएगा। करीब 18 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना पीपीपी मॉडल पर विकसित होगी, जिसका पूरा खर्च निजी कंपनी वहन करेगी। गुरुवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में परियोजना के प्रस्तुतीकरण के बाद निर्माण कार्य को मंजूरी दे दी गई। एलडीए के अनुसार, यह फुट ओवरब्रिज शहीद पथ जैसे व्यस्त मार्ग पर पैदल यात्रियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा देगा। बुजुर्गों, दिव्यांगों और महिलाओं की सुविधा के लिए सीढ़ियों के साथ लिफ्ट भी लगाई जाएगी। निर्माण शुरू कराने के लिए लोक निर्माण विभाग, ट्रैफिक पुलिस, लेसा और लुलु मॉल प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। परियोजना के तहत ग्राउंड फ्लोर पर लगभग 1200 वर्गमीटर क्षेत्र में हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा। यहां कियोस्क, इंटरैक्टिव पब्लिक स्पेस, शौचालय और पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा ग्राउंड, मेजेनाइन और प्रथम तल पर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए स्पेस विकसित किया जाएगा। वहीं रूफटॉप पर ओपन एयर रेस्टोरेंट और बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाने की भी योजना है। फुट ओवरब्रिज को भूकंपरोधी तकनीक से बनाया जाएगा। इसमें एंटी–स्किड फ्लोरिंग, मजबूत रेलिंग, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्पष्ट साइनेज और अग्निरोधी विद्युत फिटिंग लगाई जाएंगी। साथ ही फायर सेफ्टी उपकरण, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, प्राथमिक उपचार किट और आपदा प्रबंधन की सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। एलडीए का दावा है कि परियोजना का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, जिससे यातायात पर न्यूनतम प्रभाव पड़े। जरूरत पड़ने पर अस्थायी डायवर्जन, बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक और ट्रैफिक मार्शलों की तैनाती की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से यातायात संचालन को सुचारु बनाए रखा जाएगा।

भयहरणनाथ धाम में श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्मोत्सव, ‘नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की’ से गूंज उठा धाम परिसर

भागवत भूषण विजय कांत जी महाराज के मुखारविंद से 15 जून तक धाम में हो रही श्रीमद्भागवत कथा

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन श्री भयहरणनाथ धाम में श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन शुक्रवार को जैसे ही कृष्ण जन्म का प्रसंग आया,

पूरा पंडाल ष्नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीष से गूंज उठा। रात 12 बजते ही जन्म होते ही शंख, घंटे, मंजीरे बजने लगे। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने खड़े होकर आरती की। पालने में बाल गोपाल को झुलाया गया। मंच पर माखन–मिश्री बांटी गई। ष्हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल कीष के जयकारे लगे।

धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा जन सहयोग तथा लोक भागीदारी एवं नगर पंचायत के सहयोग से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिवस पर कथा व्यास भागवत भूषण पं. विजय कांत जी महाराज ने बताया कि कंस के कारावास में देवकी के 7 पुत्र मारे गए। 8वें पुत्र के रूप में श्रीकृष्ण जी आए। जन्म होते ही कारावास के ताले टूट गए, पहरेदार सो गए, यमुना ने रास्ता दिया। वसुदेव जी कान्हा को नंद बाबा के घर गोकुल ले गए। पंडित विजय कांत जी ने कहा कि ष्कंस ने सोचा था कारावास में भगवान को रोक लेगा, लेकिन नहीं रोक पाया। आज पौराणिक ताल व तीर्थ भी कंस रूपी लालच के कब्जे के कारावास में है। अब वह दिन दूर नही जब श्रीकृष्ण रूपी जनता आएगी। ताले टूटेंगे। पहरेदार यानी कब्जेदार भागेंगे। नंदोत्सव मना चुके। अब कंस वध बाकी है।ष सत्य के लिए समय द्वारा कंस मारा ही जाता है। कथा में प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष अरविंद नारायण त्रिपाठी, संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, मंदिर व्यवस्था सचिव मुरली पांडेय,कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, शत्रुघन सिंह, मनिराम वर्मा, शिव गोबिंद शर्मा, मदन लाल मौर्य, नंद लाल पटेल, राम आसरे वर्मा, लालता प्रसाद मिश्र, अशोक मिश्र, फूल चंद्र पटेल, राजेंद्र पटेल,अरविंद नारायण उपाध्याय, धर्मचंद अग्रहरि, नरेंद्र पांडेय, कमलेश वैश्य, महेंद्र अग्रहरि, प्रेम चंद्र मल्हू, शिव शंकर सरोज, हरिशंकर मिश्र, हरिप्रसाद पांडेय व अंजनी दुबे आदि सैकड़ो लोगो ने भागीदारी करके कथा का आनंद प्राप्त किया।

14वाँ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह 14 जून को

प्रतापगढ़। पांडवकालीन प्रसिद्ध बाबा भयहरन नाथ धाम की राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि व प्राचीन सार्वजनिक/सामलाती भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु भयहरन नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा 14वाँ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह 14 जून को आयोजित किया जाएगा। गत 15 मार्च 2026 से प्रत्येक रविवार को यह सामाजिक सत्याग्रह निरंतर जारी है।

संस्थान के संस्थापक महासचिव समाज शेखर ने बताया कि 25 साल से निरंतर चल रही इस परम्परा में समस्त क्षेत्रीय समाज के नागरिक व भक्तगण सहभागी बनेंगे। सत्याग्रह का उद्देश्य धाम की ऐतिहासिक, धार्मिक व पर्यटक स्थल की पहचान को अक्षुण्ण रखना है। ज्ञातव्य हो कि बीते 5 जून 2026 को राजस्व विभाग की टीम नायब तहसीलदार श्री दिनेश चंद्र तिवारी के नेतृत्व में सीमांकन कर पत्थर गाड़कर स्थाई सीमांकन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। सत्याग्रहियों ने तय किया है कि कब्जा मुक्ति व मनमानेपन से निजात मिलने तक सत्याग्रह जारी रहेगा।

धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष वित्त एडवोकेट राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमाकांत पांडेय, उपाध्यक्ष मीडिया वरिष्ठ पत्रकार पी. बी. सिंह तथा उपाध्यक्ष संगठन एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ. अमर बहादुर सिंह ने समस्त पदाधिकारी व भक्तों से प्रतिभाग कर भागीदारी की अपील करते हुए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से आवश्यक संरक्षण व सहयोग की मांग की है।

कॉकरोच पार्टी चीफ बोले

आंदोलन करना सबसे बड़ी देशभक्ति,पेपर लीक के जिम्मेदारों को इस्तीफा देना होगा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के इको गार्डन में शुक्रवार को छात्रों और वनडे एग्जाम की तैयारी कर रहे करीब 6 हजार अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ अभिजीत दीपके भी इसमें शामिल हुए। वह करीब 40 मिनट तक रुके। भाषण दिया, 20 जून को दिल्ली आने का आह्वान किया। इसके बाद निकल गए। दीपके ने संबोधन में कहा हमारा देश एक आंदोलन से बना था। आंदोलन नहीं हुआ होता तो आज आजादी भी नहीं मिलती। अगर देश में इमरजेंसी के खिलाफ आंदोलन ना होता तो आज लोकतंत्र ना होता। आंदोलन करना सबसे बड़ी देशभक्ति है। चाहे लेखपाल हो, यूपीएसआई हो, नीट हो या सीबीएसई, जो–जो भी इनके पेपर लीक करने के दोषी होंगे, सबको रिजाइन करना होगा। सुबह 10 बजे प्रदर्शन शुरू हुआ। अभिजीत दोपहर डेढ़ बजे हाथ में संविधान की किताब लेकर इको गार्डन पहुंचे। उन्हें पुलिस ने सुरक्षा घेरे में अंदर तक पहुंचाया। 40 मिनट के बाद वह कैब से बाहर चले गए।

प्रदर्शन के दौरान आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स), पीएसी और लोकल पुलिस के 1500 से ज्यादा जवान तैनात रहे। सैकड़ों छात्र और समर्थक पोस्टर–बैनर लेकर पहुंचे थे। वे 'पेपर लीक बंद करो, बंद करो' और यूपीएसआई स्कोर कार्ड जारी करो, जारी करो' के नारे लगा रहे थे। कुछ छात्र–अभ्यर्थियों ने कॉकरोच पार्टी और अभिजीत दीपके का विरोध भी किया। कहा हमारे इस आंदोलन का कॉकरोच पार्टी से कोई मतलब

नहीं है। वे राजनीति कर रहे हैं। अगर अभिजीत दीपके यहां आ गए, तो हमारा आंदोलन तहस–नहस हो जाएगा। अभिजीत गुरुवार देर रात 2.20 बजे लखनऊ पहुंचे थे। उन्होंने टीम इंडिया की टी–शर्ट पहन रखी थी। अमौसी एयरपोर्ट दीपके ने कहा हम दिल्ली और पुणे की तरह ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। हम कहीं से कुछ भी गलत नहीं कर रहे हैं। बस लोकतंत्र में अपनी बात रख रहे हैं, जो हमारा संवैधानिक अधिकार है। अभिजीत दीपके की कॉकरोच पार्टी ने इससे पहले 11 जून को पुणे और 6 जून को दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शन किया था।

पंकज चौधरी ने गिनाई डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां

2027 में लगेगी हैट्रिक, भाजपा दर्ज करेंगी 2017 से बड़ी जीत

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने आज पार्टी के कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि विकास और विकास यात्रा अब विकसित भारत संकल्प में बदल चुकी है। उन्होंने 2014 से 2026 तक के 4402 दिनों को आम आदमी के जीवन में बदलाव का सफर बताया। पंकज चौधरी ने मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर लखनऊ के लोकभवन में आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम में कहा कि आज आम आदमी विकास का भागीदार बना है। जनधन खातों के जरिए भ्रष्टाचार रोकने का प्रयास हुआ है। मुद्रा योजना से 40 करोड़ लोगों के खाते में पैसा पहुंचा, वहीं 58 करोड़ से अधिक लोगों को बीमा सुविधा से जोड़ा गया। उन्होने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 44 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य कवर मिला। उन्होंने कहा कि सरकार नागरिक देवो भवष को आगे रखकर काम कर रही है।

वृक्ष कनेर का

(कुण्डलिया)

अद्भुत वृक्ष कनेर का,विष से है लबरेज।
मानव हित में बन दवा, करे ज़हर निस्तेज।
करे ज़हर निस्तेज,बताते वैद्य चिकित्सक।
चूहों का है शत्रु,और कृषकों का रक्षक।
सुन लो कहें प्रदीप, बात है यह अति अच्युत।
फूलों का सौन्दर्य, हमेशा लगता अद्भुत।।

पंखुड़ियों के रंग काध्, अलग–अलग है अर्थ।
समझो पुष्प कनेर को, करो न बाते व्यर्थ।
करो न बाते व्यर्थ, वृक्ष पर जब यह आता।
पाँच दलो के साथ, सभी के मन को भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी की स्मृतियों में।
उभरे बस इक चित्र, सुवासित पंखुड़ियों के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को

प्रतापगढ़। 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योगदिवस 21 जून 2026 के अवसर पर "YOGA FOR HEALHY AGEING" की थीम के अन्तर्गत चल रहे कामन योग प्रोटोकाल अभ्यास सत्रों के क्रम में एक प्रातःकालीन सत्र का आयोजन आज दिनांक 12–06–26 दिन शुक्रवार सुबह 5.30 बजे संगम इण्टरनेशनल स्कूल भूपियामऊ

प्रतापगढ़ के प्रांगण में किया गया। जिसमें 18 ठज्छ छब्ब् प्रतापगढ़ के कैडेट्स को ब्ल्ट का अभ्यास कराया गया एवं तन और मन को स्वस्थ शांत एवं प्रसन्नचित रखने में योग प्राणायाम की भूमिका के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डा० सुमन कुशवाहा , लेफ्टिनेंट कर्नल अरविन्द सिंह यादव, डा० त्रिभुवन राम , डा० जय प्रकाश कुशवाहा, जिला कार्यकम प्रबन्धक आयुष कृष्ण कुमार मौर्य, योग प्रशिक्षक राकेश कुशवाहा ,सुनीता सिंह , सुमन सिंह ,योग सहायक अजय त्रिपाठी ,सतीश सिंह एवं समस्त छब्ब् स्टाफ उपस्थित रहे।

रूद्रा एवेंट्स द्वारा आयोजित अवार्ड शो फेस ऑफ प्रयागराज सेशन 3 सकुशल सम्पन्न हुआ

प्रयागराज। दिनाक 11 जून 2026 होटल सेलेस्टियल इन मे 50 से ज़्यादा लोग को फेस ऑफ प्रयागराज अवार्ड मिला जिसमे चीफ गेस्ट थीं सनातनि किन्नर अखड़े की महामंडलेश्वर

कौशल्या नंद गिरी और प्रयागराज मेयर गणेश केरस्वानी उपस्थित थे कार्यक्रम के प्रायोजक थीं डॉ. प्रियम केरसरवानी, अमन और दक्षिता,पूजा थींद्यएकता भारती ने बताया रूद्रा एवेंट्स की यही सोच है की हर मेहंती इंसान को प्लेटफॉर्म दे ताकी उनके काम को सम्मान मिल सकेद्ये बने फेस ऑफ प्रयागराज पूनम सिंह, माया मिश्रा, प्रीतशु लक्ष्य, गुफरान खान, आनंद अक्षयवात,दीप्ति योगेश्वर,चन्दनी कौशल माही, रेहाना खान, अजय यादव, अमित मौर्या, रूचि राय,उत्कर्ष श्रीवास्तव, उमा पटेल, महिमा तिवारी आदी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा के लिए सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

ई टेंडर निविदा सूचना संख्या : GEM/2026/B/7648615 Dated 10.06.2026

कार्य का नाम : BKO, KSQ, MWH, KKS, RAMA, FYZ, RUB, SNIE, KGA, KTCE, KUW, ASCE & SRO रेलवे स्टेशनों पर तीन साल के लिए पूरी सफाई व्यवस्था (सफाई, झाड़ू-पोछा, कचरा बीनना, कचरा इकट्ठा करना और उसका निपटान आदि) - आउटकम एक्टिविटी बेस्ड - के लिए निविदा।

निविदा सिस्टम : दो पैकेट सिस्टम | ठेके की अवधि : तीन वर्ष

कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित) : Rs. 9,71,87,252.82

धरोहर राशि : Rs. 19,43,800/-

निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 03.07.2026 15:30

निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 03.07.2026 को 15:00 बजे

नोट: 1. उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 4. ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेंगे। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1328/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा के लिए सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

ई टेंडर निविदा सूचना संख्या: GEM/2026/B/7648960 Dated 10.06.2026

कार्य का नाम-BEO, GAI, JIA, MNF, UND, MJA, BEP और KCN रेलवे स्टेशनों पर तीन साल के लिए पूरी सफाई व्यवस्था (सफाई, झाड़ू-पोछा, कचरा बीनना, कचरा इकट्ठा करना और उसका निपटान आदि)-आउटकम एक्टिविटी बेस्ड-के लिए निविदा।

निविदा सिस्टम: दो पैकेट सिस्टम | ठेके की अवधि: तीन वर्ष

कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित): Rs. 6,79,01,839.96 | धरोहर राशि: Rs. 13,58,100/-

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 17.07.2026, 15:00, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 17.07.2026, 15:30, नोट: 1. उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 4. ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेंगे। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1331/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.......

भाखड़ा का जल स्तर

हमारे नीति–नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन–धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर–तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत शृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता। तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले। खासकर उन किसानों को जिनके खेत नहर के अंतिम छोर पर स्थित हैं। इससे हमारी जमीन के ऊपर मौजूद पानी के स्रोतों पर निर्भरता ज्यादा बढ़ेगी। साथ ही इन कदमों से जमीन के भीतर के पानी के भंडारों पर दबाव भी कम हो सकेगा। इसके साथ ही, सहयोगी राज्यों के साथ जलाशयों के कामकाज में पारदर्शिता और दूरदर्शिता के साथ तालमेल बैठाना होगा। पानी की भरपूर उपलब्ध ाता से मुश्किल हालात का सामना करने की क्षमता बढ़नी चाहिए, न कि जोखिम को बढ़ावा दिया जाए। आज जलाशयों में जगह खाली करना भविष्य में मौसम से जुड़ी अनिश्चितताओं से निबटने के लिये सबसे अच्छा उपाय साबित हो सकता है।

धन्य आध्यात्मिक यात्रा-हज, अनुग्रह की दिव्य संरचना, पवित्र यात्रा की आध्यात्मिक ज्यामिति पर एक चिंतन

असद मिर्जा

हर मुसलमान के लिए जीवन में एक बार हज पर जाना सबसे प्रिय स्वप्न होता है। इस स्वप्न को साकार करने के लिए लोग वर्षों तक परिश्रम करते हैं और अपनी बचत का एक–एक पैसा हज निधि में जोड़ते हैं। अंततरू वे अल्लाह के आदेश और अपनी जीवन भर की आकांक्षा को पूरा करने के लिए इस यात्रा पर निकलते हैं। पंद्रह दिन पहले मैं बौद्धिक धारणाओं और पूर्वाग्रहों का बोझ लेकर रवाना हुआ थाय लेकिन जब लौटा तो अपने भीतर ऐसे आयामों को खोज चुका था जिनके अस्तित्व से भी अनजान था। मैं टूटा भी था और पूर्ण भी। यही इस आध्यात्मिक साध ाना का वास्तविक और अवर्णनीय विरोधाभास है। कोई भी पुस्तक, कोई भी यात्रा कार्यक्रम उस गहन अनुभूति को व्यक्त नहीं कर सकता जो पहली बार पवित्र काबाकृमानो समस्त ब्रह्मांड का केंद्रकृको मस्जिद–ए–हरम के विशाल विस्तार में देखकर होती है। इसी प्रकार कोई मार्गदर्शिका किसी व्यक्ति को उस गहन विनम्रता और असहायता के लिए तैयार नहीं कर सकती जो उसे तब अनुभव होती है जब वह अपने शरीर को इहराम की सादी, बिना सिली हुई सफेद चादरों में लपेटता है। इन कठिन शारीरिक अनुष्ठानों से परे, हज का वास्तविक संघर्ष पूरी तरह आंतरिक होता है। जब आप लाखों लोगों के अथाह समुद्र में स्वयं को पाते हैं, तो आपके धैर्य, व्यवस्था और आत्मनियंत्रण के सारे भ्रम ध ीरे–धीरे टूटने लगते हैं। मैं आज भी उस संतुलन की तलाश में हूं, लेकिन मक्का के उन व्यस्त, सुंदर और अविस्मरणीय दिनों में जो जीवन–सूत्र मिले, वे आज भी मेरे जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। पवित्र यात्री के दस सिद्धांत– अपेक्षाओं का पूर्ण त्याग इतने विशाल मानव समुदाय की मेजबानी का अर्थ है कि सबसे सुव्यवस्थित योजनाएं भी कभी न कभी अव्यवस्था में बदल सकती हैं। इसलिए परिस्थितियों से संघर्ष न करें। हज में बिना किसी अपेक्षा के प्रवेश करें और हर प्रशासनिक कठिनाई को बाधा नहीं, बल्कि अल्लाह की ओर से समर्पण का अवसर समझें। हम रेगिस्तानों को पार केवल भावनात्मक रोमांच या किसी असाधारण आध्यात्मिक अनुभव की तलाश में नहीं करते। हम हज इसलिए करते हैं क्योंकि यह एक पवित्र और अनिवार्य कर्तव्य है। इसकी वास्तविक महत्ता इसके प्रदर्शन में नहीं, बल्कि इसे पूर्ण करने में है और उससे प्राप्त शिक्षाओं को जीवन में उतारने में है। यह मान लेना कि आप या आपके आसपास के लोग हर समय आध्यात्मिक आनंद की अवस्था में रहेंगे, एक भ्रम है। आप भी मांस और हड्डियों से बने इंसान हैं। थकान और कठिनाइयों के बीच लगातार अलौकिक अनुभव की अपेक्षा करना वास्तविकता से दूर है। आप पूरी मानवता के प्रतिनिधियों के साथ चल रहे होते हैं, जिनकी संस्कृतियां, आदतें और व्यवहार अलग–अलग हैं। यदि किसी का व्यवहार आपको परेशान करे, तो पहले अपने भीतर झांकिए। अपने मार्ग पर चलते रहिए और दूसरों के आचरण का निर्णय करने से बचिए। तवाफ के समय भीड़ का प्रवाह अत्यंत गतिशील होता है। यहां एक क्षण की असावधानी भी कठिनाई उत्पन्न कर सकती है। इसलिए निरंतर सजग रहें और अचानक रुकने या दिशा बदलने से बचें। यदि तवाफ के दौरान कोई वस्तु हाथ से गिर जाए, तो उसे तुरंत उठाने का प्रयास न करें। लाखों लोगों की भीड़ में अचानक रुकना स्वयं और दूसरों के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। पहले अपना तवाफ पूरा करें, फिर सहायता लेकर वस्तु खोजने का प्रयास करें। तेज गर्मी और लंबी पैदल यात्राएं आपकी शारीरिक शक्ति को अपेक्षा से कहीं अधिक तेजी से कम कर देती हैं। इसलिए हमेशा पानी साथ रखें और खजूर, बिस्कुट अथवा अन्य ऊर्जा देने वाले खाद्य पदार्थों का उपयोग करें। अत्यधिक पसीने की स्थिति में इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन भी लाभदायक हो सकता है। इहराम पहनकर लंबे समय तक पैदल चलना और धूप में रहना शरीर पर अतिरिक्त दबाव डालता है। त्वचा में घर्षण और छिलन जैसी छोटी समस्याएं भी बड़ी परेशानी बन सकती हैं। इसलिए पहले से सुरक्षात्मक क्रीम या अन्य उपाय अपनाएं। लाखों तीर्थयात्रियों के बीच अक्सर चप्पलें या जूते खो जाते हैं या इधर–उधर हो जाते हैं। इसलिए जहां उन्हें रखा है, उसे याद रखें और यदि संभव हो तो हल्के तथा आसानी से साफ किए जा सकने वाले अतिरिक्त जूते साथ रखें। जब लगभग बीस लाख थके हुए और त्रुटिपूर्ण मनुष्य एक ही समय और स्थान पर एकत्र होते हैं, तो कमियां और गलतियां होना स्वाभाविक है। इस यात्रा में पूर्णता का अर्थ यह नहीं कि सब कुछ बिना किसी त्रुटि के संपन्न हो जाए, बल्कि यह है कि आप अपनी कमियों और भूलों को कितनी विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

भ्रम के चक्रव्यूह से राष्ट्र-बोध तक: सतत साधना का निचोड़

क्षणभंगुर इस चमक–दमक से कब चरित्र का निर्माण हुआ,
सतत साधना फलित हुई जब, तब ही राष्ट्र का कल्याण हुआ।

यह दो पंक्तियाँ आज के समय का सबसे बड़ा और अपरिवर्तनीय यथार्थ हैं। आज का यह संपादकीय किसी भावुकता या क्षणिक तरंग की उपज नहीं है, बल्कि एक गहरे वैचारिक मंथन, कड़े आत्म–निरीक्षण और भोगे हुए यथार्थ का सीधा शंखनाद है। आज मैं आपसे एक औपचारिक संपादक बनकर नहीं, बल्कि जीवन के एक बेहद कड़वे और सच्चे अनुभव को समेटे एक सहयात्री की तरह सीधे संवाद कर रही हूँ।

हम सब अपने जीवन में एक ऐसे दौर से गुज़रते हैं, जहाँ हम जाने–अनजाने एक खूबसूरत लेकिन घातक श्भ्रम–जालश (प्ससनेपवद) को ही अपनी हकीकत मान बैठते हैं। बाहरी चमक–दमक, दिखावे की वाह–वाही, और रातों–रात शॉर्टकट से सफलता पाने का वह ऐसा सम्मोहन होता है कि हमारी आँखें खुली होने पर भी हम अंधे बने रहते हैं। मुझे यह स्वीकार करने में आज कोई संकोच नहीं है कि शुरुआती दौर में जब कोई सम्मान या प्रशंसा मिलती थी, तो मन भीतर तक आनंदित हो जाता था। आखिरकार, इंसान स्वभाव से ही सम्मान का भूखा होता है। उस समय जब हमारी योग्यता उतनी परिपक्व भी नहीं थी, तब भी जब कोई मंच मिलता या सम्मान से नवाज़ा जाता, तो हम खुशी से झूम उठते थे। हमें लगता था कि हमने कोई बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है।

लेकिन आज, जब हम ठहरकर आत्म–मंथन करते हैं, अतीत के उन पन्नों को पलटकर निष्पक्ष भाव से अपना निरीक्षण करते हैं, तो एक बहुत तीखा और कड़वा सच सामने आता है। आज हमें खुद से पूछना होगाकृक्या सचमुच हम उस समय उस सम्मान के लायक थे, जिसके लिए हम इतनी खुश हो रहे थे?

सच्चाई तो यह है कि उस भीड़ में हर कोई योग्यता के बल पर नहीं खड़ा था। आज जब इस क्षेत्र के भीतर की परतों को देखते हैं, तो समझ आता है कि चारों तरफ सम्मान का एक कृत्रिम बाज़ार सजा हुआ है। विशेषकर फेसबुक, सोशल मीडिया और संदेशों ̆(डे) के इस दौर में तो यह भ्रम–जाल महामारी की तरह फैल चुका है। रोज़ इन आभासी मंचों पर थोक के भाव में उपाधियाँ बिकती हैं। कुछ पैसों के दम पर, कुछ चंद रुपयों के लेन–देन से, तो कुछ आपसी गुटबाज़ी और प्रलोभनों के सहारे इन डिजिटल गलियारों में सम्मान की कतारें लगी हैं। इस बाज़ार का सम्मोहन इतना तीव्र होता है कि शुरुआत में हम भी इस मायाजाल और भ्रम में फंस जाते हैं। हमें लगता है कि सोशल मीडिया की ये चंद श्लाइकश, श्कमेंट्सश और बिकाऊ प्रमाण–पत्र ही हमारी सफलता हैं। लेकिन यह योग्यता का पैमाना नहीं, बल्कि एक छलावा है जो मनुष्य के भीतर एक झूठा अहंकार पैदा करके उसकी वास्तविक रचनात्मकता को मार देता है।

ष्पैसों और सोशल मीडिया के दम पर खरीदे गए सम्मान से केवल आभासी मंच सज सकते हैं; मनुष्य का चरित्र, उसकी लेखनी और उसकी योग्यता नहीं।ष

जब इस सच का साक्षात्कार हुआ, जब यह भ्रम–जाल पूरी तरह टूटा, तब जो मानसिक संताप और चोट लगी, उसने अंदर तक झकझोर कर रख दिया। वह पीड़ा असहनीय थी, लेकिन उसी पीड़ा की कोख से श्आत्म–बोधश का जन्म हुआ। समझ आया कि असली सम्मान किसी संस्था के बिकाऊ प्रमाण–पत्र या पैसों से खरीदे गए मेडल में नहीं है। असली सम्मान तो वह है जो आपकी सतत साधना, आपकी हाड़–तोड़ मेहनत और आपके निस्वार्थ कर्म से लोगों के दिलों में स्वतः पैदा होता है।

इस यात्रा में अक्सर हमारे बड़े, हमारे वरिष्ठ और मार्गदर्शक हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, हमारा उत्साह बढ़ाते हैं और हमें सही दिशा भी दिखाते हैं। उनका अनुभव हमारे लिए एक अनमोल पूंजी की तरह होता है। लेकिन यहाँ हमें जीवन के एक बहुत व्यावहारिक और स्वाभाविक सच को भी समझना होगा। हमारे मार्गदर्शक या प्रेरणापुंज हमें राह दिखा सकते हैं, लेकिन वे हर वक्त सिर्फ हमारे ही बारे में सोचें, हमारे ही बढ़ने के लिए अपनी ऊर्जा लगाएंकृ यह उम्मीद करना सर्वथा अनुचित है। हर व्यक्ति के अपने सामाजिक और व्यक्तिगत दायित्व होते हैं। उनके सामने स्वयं को स्थापित रखने, अपनी प्राथमिकताओं को पूरा करनेअपनी साधना को निरंतर जारी रखने की चुनौतियाँ होती हैं। वे पहले अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं और उसके साथ हमारा मार्गदर्शन करते हैं। यदि हम यह सोचें कि वे अपने सारे काम छोड़कर हर क्षण सिर्फ हमारे ही विकास के सारथी बने रहें, तो यह हमारी वैचारिक अपरिपक्वता होगी। बड़े बुजुर्गों का आशीष और मार्गदर्शन एक संबल है, लेकिन उस संबल के भरोसे हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाना भूल है। अंततः, अपने हिस्से का पसीना हमें खुद ही बहाना होगा और अपनी क्षमता के बल पर ही शिखर की यात्रा तय करनी होगी।

मार्गदर्शक केवल दीप दिखा सकता है, लेकिन उस रोशनी में पैर आगे बढ़ाने का साहस और संकल्प स्वयं साधक का ही होना चाहिए। यहाँ आकर मुझे ठहरकर एक बहुत कड़वा और सीधा सवाल खुद से और अपने समकालीन विचारकों से पूछना पड़ता हैकृक्या जीवन भर हम सिर्फ अपने ही अनुभवों को लिखते रहेंगे? क्या हम केवल अपनी ही कहानी दुनिया को सुनाते रहेंगे या सिर्फ अपने ही स्वार्थ की सीमाओं में घिरे रहेंगे?

यदि एक रचनाकार या चिंतक जीवन भर केवल श्मैं, मेरा और मुझेश के आत्म–मोह और बिकाऊ सम्मानों की भूख में ही फंसा रहा, तो उसकी लेखनी का सामाजिक मोल क्या रह जाता है? हम कोई ऐसी चीज़ क्यों न लिखें जो सीधे राष्ट्र के काम आए, जो समाज की रगों में सोए हुए शौर्य को जगा दे? शब्द जब तक केवल अपने लिए खर्च होते हैं, तब तक वे कागज़ का बोझ होते हैं; लेकिन जब वे राष्ट्र के लिए समर्पित होते हैं, तो इतिहास बन जाते हैं। हमारी इस लेखनी और साधना की सार्थकता इस बात में नहीं है कि हमें कितनी तालियाँ या फेसबुक पर कितने लाइक्स मिले; सार्थकता तो इस बात में है कि यदि हमारे लिखे किसी एक वाक्य से, हमारे जीवन के किसी एक कड़वे अनुभव से, समाज के किसी एक भी भटकते हुए व्यक्ति को सही राह मिल जाए, हमारी कलम किसी एक के लिए भी प्रेरणास्रोत बन जाए, तो हमारा लिखना और हमारा जीवन पूरी तरह सार्थक हो जाएगा।

किंतु, मैं यहाँ बिल्कुल साफ और दो टूक शब्दों में कहना चाहती हूँकृयह आत्म–निर्माण या अपना पथ स्वयं निर्मित करना कोई श्शब्द–बागश नहीं है कि आपने एक खूबसूरत सपना देखा और वह पूरा हो गया। इसके लिए हमें बहुत, बहुत ज़्यादा मेहनत करनी होगी। क्षेत्र चाहे कोई भी होकृचाहे वह साहित्य हो, समाज सेवा हो, शिक्षा हो या कलाकृयदि आपको भीड़ से अलग अपनी पगडंडी बनानी है, तो आपको अपनी ऊर्जा का एक–एक कतरा निचोड़ना होगा। इसके लिए अनगिनत कोशिशें करनी होंगी, ऐसी कोशिशें जिनमें कई बार असफलता हाथ लगेगी, पैर लहूलुहान होंगे और मन थकेगा।

जीवन के शुरुआती पड़ाव में यह व्यावहारिक संघर्ष ज़रूरी था। हमने भी अपनी पूरी ताकत लगाकर पहले खुद को स्थापित करने का प्रयास किया। वह हमारे अस्तित्व की लड़ाई थी, जो आवश्यक थी ताकि हम दूसरों का संबल बनने योग्य हो सकें। लेकिन आज, जब ईश्वर ने हमें एक मुकाम, एक पहचान और ज्ञान की पूंजी दी है, तो उसी दायरे में जमे रहना मानसिक जड़ता होगी। अब समय खुद से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए सोचने का है।

वास्तव में श्राष्ट्र–निर्माताश हम किसे कहते हैं? राष्ट्र–निर्माता केवल वे नहीं हैं जो सीमाओं पर खड़े हैं, बल्कि हर वह व्यक्ति है जो अपने तुच्छ स्वार्थों और इन बिकाऊ मंचों के दायरे से बाहर निकल जाता है। जब मनुष्य अपनी संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर राष्ट्र के कल्याण के लिए अपने ज्ञान को समर्पित कर देता है, तब उसके भीतर का राष्ट्र–निर्माता जागृत होता है।

आइए, अपने स्वार्थ के छोटे द्वीपों को छोड़कर राष्ट्र के इस महासागर में खुद को समाहित कर दें। अपनी सतत साधना के बल पर, फेसबुक और एसएमएस के श्शब्द–बागोंश की आभासी दुनिया से बाहर निकलकर कर्म के मैदान में पसीना बहाएं। जब हम अपने ज्ञान को राष्ट्र–यज्ञ में पूरी तरह होम कर देंगे, तभी हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर पाएंगे जो आत्मनिर्भर हो, सजग हो और ष्अपराजितष हो। यही हमारी साधना का अंतिम पड़ाव है और यही हमारी सच्ची राष्ट्र–वंदना।

–डॉ संगीता मनीष बनाफर
प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली भारत छत्तीसगढ़, संयोजक प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट, जिला अध्यक्ष शहर समता प्रयागराज मंच बिलासपुर, अध्यक्ष इनर व्हील क्लब बिलासपुर

लोकतंत्र बचाने की नयी

कांग्रेस की पूर्व सांसद और मध्यप्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार बनाई गईं मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द करने के फैसले से भोपाल से लेकर दिल्ली तक हंगामा मचा है, जो लोकतंत्र बचाने के लिए जरूरी है और वक्त की मांग भी है। चार साल पहले चंडीगढ़ मेयर चुनाव में जब तत्कालीन रिटर्निंग अधिकारी अनिल मसीह ने मतपत्रों में गड़बड़ी कर भाजपा को जिताया था, तो सारा वाकया कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था। सर्वोच्च न्यायालय तक ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया था। लेकिन सत्तारुढ़ भाजपा को न तब कोई फर्क पड़ा, न अब पड़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इसी बात का जश्न मना रहे हैं कि उन्हें सत्ता पर बैठे बारह साल पूरे हो गए। मीडिया भी इस समय भाजपा के जश्न की खबरों में गले तक डूबा हुआ है। इस देश का मीडिया जागरूक प्रहरी की भूमिका निभाता तो कल से लेकर इन पंक्तियों के लिखे जाने तक उन सवालों पर तीखी बहसें करवा रहा होता, जिन्हें कांग्रेस ने उठाया है। इसके बाद न चुनाव आयोग और न भाजपा का दुस्साहस इतना बढ़ता कि वे इस मामले में कांग्रेस को ही कटघरे में खड़ा करते। क्योंकि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव यही कह रहे हैं कि कांग्रेस ने ही गलती की। वहीं इस मामले को कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान के नजरिए से भी देखा जा रहा है। हालांकि असल मुद्दा यह है कि भाजपा को जिताने के लिए कांग्रेस के साथ या कहें कि लोकतंत्र के साथ बेईमानी की गई है। गौरतलब है कि मीनाक्षी नटराजन का पर्चा 9 जून को रिटर्निंग अधिकारी ने यह कहते हुए रद्द कर दिया कि उन्होंने तेलंगाना में अपने ऊपर दर्ज आपराधिक मामले का जिक्र नहीं किया। जबकि हकीकत यह है कि उन पर कोई मामला दर्ज नहीं हुआ, कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई, केवल निजी शिकायत मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ की गई है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा है कि किसी की निजी शिकायत पर अदालत से एक नोटिस आया, जिसमें सुश्री नटराजन से कहा गया कि आप आकर हमें बताइए कि हम केस का संज्ञान लें या नहीं। मजिस्ट्रेट द्वारा संज्ञान लेना एक प्राथमिक चरण होता है और उसमें ये फैसला किया जाता है कि केस आगे चलना चाहिए या नहीं। बिना संज्ञान के कोई भी क्रिमिनल केस जन्म ही नहीं लेता है। ध्यान देने की बात ये है कि चुनाव आयोग के कानून में स्पष्ट लिखा है कि प्रत्याशी को सिर्फ वही खुलासा करना है, जिसमें अपराध अगर सिद्ध हो चुका हो और दो साल से ज्यादा की सजा हो। रिटर्निंग अधिकारी को यही देखना होता है। लेकिन इस मामले में मजिस्ट्रेट ने संज्ञान नहीं लिया है। तो आरोप पत्र दाखिल होना और आरोप तय होना बाद की बात है। लेकिन रिटर्निंग अधिकारी ने खुद ही तय कर लिया कि यह आपराधिक मामला है, जिसे मीनाक्षी नटराजन ने छिपाया और इस आधार पर उनका नामांकन रद्द कर दिया। देश की वरिष्ठ वकील तीस्ता सीतलवाड का भी कहना है कि श्जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 33 ए के तहत ऐसी कोई जानकारी तभी दी जानी है जब अदालत आरोप तय कर दे।य अदालत का नोटिस इस बात का सबूत है कि अभी तक आरोप तय नहीं किए गए हैं। जब तक आरोप तय नहीं हो जाते, तब तक जानकारी देने की जरूरत नहीं है। इसलिए रिटर्निंग अधि ाकारी ने गैर–कानूनी और नियम–विरुद्ध काम किया है। तीस्ता सीतलवाड ने कहा है कि उनके खिलाफ आवाज उठाई जानी चाहिए और उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। हो सकता है कांग्रेस ऐसा करे और रिटर्निंग अधिकारी पर बाद में कार्रवाई हो। लेकिन क्या इससे चुनाव आयोग की जिम्मेदारियां खत्म हो जाती हैं। भाजपा सत्ता पर बने रहने के लिए भले सौ तरह के छल–कपट करे, लेकिन यह तभी कामयाब होंगे, जब देश की संवैधानिक संस्थाएं भी इन कुटिल चालों की तरफ से आंखें मूंद ले। चुनाव आयोग इसी तरह नजरें बचाता दिख रहा है। मंगलवार शाम को जब पता चला कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज किया गया है, तो कांग्रेस नेताओं ने फौरन दिल्ली में केन्द्रीय निर्वाचन आयोग पहुंच कर शिकायत दर्ज कराना चाही। लेकिन उन्हें वहां किस तरह सुरक्षाकर्मियों ने रोका, इसे पूरे देश ने देखा और दुनिया भी देख ही रही होगी कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का निर्वाचन आयोग विपक्ष के सांसदों के साथ कैसा व्यवहार करता है। वहीं मध्यप्रदेश में कांग्रेस से चुनाव आयोग ने कहा कि 2 घंटे में वह जवाब देगा, लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया है। इस बीच कांग्रेसियों ने सामूहिक उपवास शुरु किया है। राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर में संघ की यूनिफॉर्म लगा दी गई है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर अदालत जाने की तैयारी कर रही है, साथ ही राष्ट्रपति के पास भी शिकायत दर्ज की जाएगी।

अपूर्ण कामना

अपूर्ण है कामना,
असंतोष हृदय के न भाव हो।
मनुष्य रुपी संसार में
करूणा ही सार हो।
द्वेष न रखो किसी से,
अज्ञानता रुपी न अहंकार हो।
लालसा की कोई सीमा नहीं,
मत्सर न रखो चाह में।
मोह न हो स्वयं से,
मद तो जंजाल है।
तनाव हो या क्रोध हो,
घृणा के ना पात्र हो।
जीजीविषा हृदय की
सकारात्मक ही परवाह हो।
प्रेम हो आत्म से
ब्रह्म तो संसार का सार है।
प्रबल धर्म हो,न्याय रूपी कर्म हो,
जीजीविषा तो सर्वत्र है
त्याग ही सार हो,
असंतोष हृदय के न भाव हो।
मनुष्य रुपी संसार में
करूणा ही सार हो।

रचनाकार–रूद्र प्रताप चतुर्वेदी
+917506464405
सेवटा,आजमगढ़(उ.प्र)

अल्फा के नए पोस्टर पर बवाल! सोशल मीडिया यूजर्स ने बताया `ड्यून' की कॉपी, जमकर हुई ट्रोलिंग

अल्फा के नए पोस्टर को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है, जहां कई यूजर्स ने इसके कई सीन्स की तुलना हॉलीवुड फिल्म ड्यून के पोस्टर से कर रहे हैं। इसके अलावा यूजर्स, फिल्म के टीजर के कुछ सीन्स की तुलना फ्रेंच क्लासिक ला फेम निकिता से भी कर रहे हैं। आलिया भट्ट, शरवरी, बॉबी देओल और अनिल कपूर स्टारर बहुचर्चित फिल्म अल्फा का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। पोस्टर के रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की तुलना हॉलीवुड फिल्म ड्यून से की जाने लगी। हाल ही में जारी किए गए पोस्टर में फिल्म की स्टारकास्ट को एक रफ और गंभीर अंदाज में दिखाया गया है। पोस्टर रिलीज होने के तुरंत बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया है कि इसकी कंपोजिशन, कलर ग्रेडिंग और ओवरऑल मूड काफी हद तक ड्यून के पोस्टर जैसा नजर आता है। ड्यून में टिमोथी शैलेमे, रेबेका फर्ग्यूसन, ऑस्कर आइजैक और जेंडाया मुख्य भूमिकाओं में थे। एक एक्स यूजर ने पोस्टर को 'ड्यून कोडेड' बताया, जबकि दूसरे ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि एआई से ऐसा पोस्टर बनवा सकते हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'मुझे लगा यह ड्यून 3 का पोस्टर है।' वहीं, कई लोगों ने दोनों पोस्टरों का कोलाज शेयर कर अल्फा के कॉपी होने की बात की है। सिर्फ पोस्टर ही नहीं, हाल ही में रिलीज हुए अल्फा के टीजर को लेकर भी सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ी हुई है। दर्शकों को फिल्म के एक्शन सीक्वेंस पसंद आए हैं। लेकिन, कुछ यूजर्स ने टीजर के एक सीन की तुलना फ्रेंच क्लासिक फिल्म ला फेम निकिता से कर दी है। कई लोगों ने दोनों फिल्मों की तस्वीरें और क्लिप शेयर कर कॉपी होने का दावा किया है। अल्फा में आलिया भट्ट, बॉबी देओल, शरवरी और अनिल कपूर जैसे बड़े सितारे नजर आने वाले हैं। 'अल्फा' यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म है, जो एक नए जासूस की कहानी दिखाती है। फिल्म 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

> सिर्फ पोस्टर ही नहीं, हाल ही में रिलीज हुए अल्फा के टीजर को लेकर भी सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ी हुई है। दर्शकों को फिल्म के एक्शन सीक्वेंस पसंद आए हैं। लेकिन, कुछ यूजर्स ने टीजर के एक सीन की तुलना फ्रेंच क्लासिक फिल्म ला फेम निकिता से कर दी है।

'बिग बॉस सीजन 20' की तैयारी शुरू! इस बार होगा एंटरटेनमेंट का डबल डोजय जानें कब शुरू होगा शो?

'बिग बॉस' इंडियन टेलीविजन का सबसे पॉपुलर और सफल रियलिटी शो बना हुआ है, जिसका बड़ा कारण सुपरस्टार होस्ट सलमान खान हैं। 19वां सीजन काफी सफल रहा, जिसमें गौरव खन्ना, फरहाना भट्ट, अमाल मलिक, तान्या मित्तल और बसीर अली जैसे पॉपुलर कंटेस्टेंट्स ने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब मेकर्स अगले चौप्टर की तैयारी में जुट गए हैं। इस बार 20वें सीजन को और भी बड़ा और ज्यादा ड्रामेटिक बनाने का प्लान है। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बिग बॉस का नया सीजन 21 सितंबर से शुरू होने वाला है। शो के सेट पर लौटने से पहले सलमान खान अपनी अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म का बड़ा हिस्सा पूरा करना चाहते हैं। इस फिल्म का अभी तक नाम तय नहीं है और इसे वामसी पेडिपल्ली डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में नयनतारा लीड रोल में नजर आएंगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सलमान की टीम उनके शेड्यूल को बहुत ध्यान से मैनेज कर रही है, ताकि फिल्म की शूटिंग बिना किसी देरी के पूरी हो सके और उन्हें रियलिटी शो होस्ट करने के लिए भी पर्याप्त समय मिल सके। बिग बॉस 20 की तैयारियां अब तेजी से शुरू हो चुकी हैं। जल्द ही ऑडिशन और शॉर्टलिस्टिंग प्रोसेस शुरू होगा और कास्टिंग टीम कई टीवी सितारों से संपर्क भी कर रही है। इस बार मेकर्स सिर्फ टीवी सेलेब्स तक सीमित नहीं रहना चाहते। युवा ऑडियंस को आकर्षित करने के लिए टीम अब पॉपुलर रियलिटी शोज और डिजिटल व्ज्ज प्रोजेक्ट्स से भी कंटेस्टेंट्स को शामिल करने का प्लान बना रही है। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि पिछले सीजन के कुछ फेमस चेहरे भी शो में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, मेकर्स अभी शो के फॉर्मेट और थीम को सीक्रेट रख रहे हैं। कंटेस्टेंट्स की फाइनल लिस्ट और इस सीजन के बड़े ट्विस्ट्स का खुलासा प्रीमियर के करीब किया जाएगा।

कृति सेनन की बड़ी प्रॉपर्टी डील! इस कास्टिंग डायरेक्टर को बेचे अंधेरी के 4 अपार्टमेंट, करोड़ों का हुआ फायदा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपनी बहन नुपुर सेनन और मां गीता सेनन के साथ मिलकर मुंबई के अंधेरी वेस्ट में स्थित चार अपार्टमेंट कुल 8.9 करोड़ में बेच दिए हैं। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार, इन फ्लैट्स को फिल्ममेकर और कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने खरीदा है। सेनन परिवार ने इन चारों अपार्टमेंट्स को 2013 से 2017 के बीच करीब 4.31 करोड़ में खरीदा था। अब 8.9 करोड़ में बिक्री के साथ उन्हें लगभग 4.6 करोड़ का फायदा हुआ है, यानी करीब 107प्रतिशत का मुनाफा, जो 9 से 13 साल की अवधि में मिला। दस्तावेजों के मुताबिक, यह बिक्री चार अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए की गई, जो 24 अप्रैल 2026 को रजिस्टर हुए। अंधेरी वेस्ट के रहेजा क्लासिक में मौजूद दो बड़े अपार्टमेंट 3.23 करोड़-3.23 करोड़ में बेचे गए। इनका बिल्ट-अप एरिया 654.23 स्क्वायर फीट है और हर फ्लैट के साथ एक कार पार्किंग भी शामिल है। दोनों डील्स पर 19.41 लाख की स्टांप ड्यूटी और 30,000-30,000 का रजिस्ट्रेशन चार्ज लगा। इसी बिल्डिंग में मौजूद बाकी दो छोटे अपार्टमेंट 1.21 करोड़-1.21 करोड़ में बेचे गए। इनका बिल्ट-अप एरिया 246.06 स्क्वायर फीट है। इन पर 7.29 लाख की स्टांप ड्यूटी और 30,000 प्रति यूनिट रजिस्ट्रेशन चार्ज लगा। स्क्वायर यार्ड्स के अनुसार, गीता सेनन ने जुलाई 2013 में दो बड़े अपार्टमेंट 1.40 करोड़ में खरीदे थे, जबकि कृति और नुपुर सेनन ने जून 2017 में बाकी दो फ्लैट्स 2.90 करोड़ में खरीदे थे। इस तरह परिवार का कुल निवेश करीब 4.31 करोड़ था।

सलमान खान ने फिल्म काला हिरण के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, टीजर व रिलीज पर रोक की मांग की

विवादित फिल्म काला हिरण-द बैटल फॉर लेगेसी का फर्स्ट लुक आज शुक्रवार को जारी किया गया है। यह फिल्म रिलीज से पहले ही विवाद में है। इसके खिलाफ सलमान खान ने मेकर्स को कानूनी नोटिस पहले ही जारी किया है। इसी बीच मेकर्स ने फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया। अब दबंग खान ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने फिल्म की रिलीज पर रोक की मांग की है। फिल्म काला हिरण कथित तौर पर सलमान खान के साल 1998 में हुए काला हिरण मामले पर आधारित है। आज जारी हुए फर्स्ट लुक में मुख्य किरदार का नाम भी सलमान खान के नाम से मिलता हुआ है। लुक भी अभिनेता जैसा है और किरदार ने उन्हीं के जैसा ब्रेसलेट भी पहना हुआ है। इस बीच सलमान खान ने हाईकोर्ट का रुख किया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, सलमान खान ने दिल्ली हाई कोर्ट में काला हिरण-द बैटल फॉर लेगेसी नाम की प्रस्तावित फिल्म के मेकर्स के खिलाफ अंतरिम राहत की मांग की है। सलमान खान का आरोप है कि यह प्रोजेक्ट गैर-कानूनी तरीके से उनके पर्सनैलिटी राइट्स (व्यक्तित्व अधिकारों) का इस्तेमाल करता है और इससे उनकी प्रतिष्ठा के साथ-साथ 1998 के काले हिरण के शिकार मामले से जुड़ी चल रही कानूनी कार्यवाही पर भी बुरा असर पड़ सकता है। हाई कोर्ट में पहले से चल रहे एक कमर्शियल केस में कोड ऑफ सिविल प्रोसीजर के ऑर्डर XXXIX के नियम 1 और 2 के तहत एक अर्जी दाखिल की गई है। इसमें फिल्म के निर्माता अमित जानी, प्रोडक्शन हाउस जानी फायरफॉक्स फिल्म्स, डायरेक्टर भरत श्रीनेत, अक्षय पांडे और इस प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य लोगों को प्रस्तावित फिल्म बनाने, प्रमोट करने, डिस्ट्रीब्यूट करने, दिखाने, स्ट्रीम करने या रिलीज करने से रोकने के लिए एड-इंटरिम इंजंक्शन (अस्थायी रोक) की मांग की गई है, जब तक कि केस का फैसला नहीं हो जाता। याचिका के अनुसार, फिल्म और इसकी प्रचार सामग्री कथित तौर पर सलमान खान से जुड़े 1998 के काले हिरण शिकार मामले से संबंधित घटनाओं से प्रेरित या आधारित है। अभिनेता का तर्क है कि उनके नाम का स्पष्ट रूप से उपयोग नहीं किया जा सकता है, लेकिन फिल्म के पोस्टर, प्रचार सामग्री और फिल्म से जुड़े लोगों के सार्वजनिक बयान उन्हें दर्शकों के लिए आसानी से पहचानने योग्य बनाते हैं। याचिका में कहा गया है कि मई 2026 में जारी एक पोस्टर में एक चरित्र को कथित तौर पर सलमान खान से मिलता-जुलता दिखाया गया है और उसने अभिनेता के चर्चित नीले ब्रेसलेट जैसा ही ब्रेसलेट पहना हुआ है, जिसके बारे में याचिका में दावा किया गया है कि यह सार्वजनिक कल्पना में उनके साथ विशिष्ट रूप से जुड़ा हुआ है।

कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता ने दर्शकों पर चलाया जादू, फिल्म देख नेटिजंस बोले- दिल छूने वाली कहानी

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर सुर्खियों में हैं, जो आज शुक्रवार को रिलीज हुई है। कंगना अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। पर्दे पर उनकी अदाकारी में भी यह अंदाज नजर आता है। बात करें उनकी नई फिल्म की तो इसे देख दर्शकों ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। जानिए क्या कहा? कंगना रनौत की पिछली रिलीज फिल्म इमरजेंसी थी। इसे दर्शकों ने पसंद तो किया, मगर बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में खास नहीं रही थी। आज रिलीज हुई भारत भाग्य विधाता की बात करें तो इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। दर्शकों ने इसकी कहानी को दिल छूने वाली बताया है। दर्शक कंगना को एक्टिंग क्वीन कह रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन मनोज तापड़िया ने किया है। उन्होंने ही यह फिल्म लिखी है। कंगना के अलावा फिल्म में गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, आशा शेलार, प्रिया अर्जुन बेर्डे, जाहिद खान और सुहिता थट्टे जैसे सितारे हैं। यूजर्स का कहना है, 'हीरो हर बार वर्दी में नहीं होते। कभी वो अस्पताल के कॉरिडोर में नजर आते हैं, जिम्मेदारी और हिम्मत के साथ अपना फर्ज निभाते हैं। कंगना ने एक दमदार काम किया है, जो असर छोड़ता है। सोशल मीडिया पर दर्शकों की प्रतिक्रिया देखकर तो लग रहा है कि कंगना इस बार तालियां बटोरने में कामयाब रही हैं। यूजर फिल्म को आम नायकों की असाधारण कहानी बता रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स इसे कंगना रनौत की दमदार वापसी के तौर पर देख रहे हैं।

पराठों के साथ बेहद स्वाद लगता है भरवा करेला, फॉलो करें ये रेसिपी नहीं लगेंगे कड़वे

करेले की सब्जी का नाम सुनकर नाक–मुंह बनाने वाले लोग अक्सर स्टफ्ड करेला खाना बेहद पसंद करते हैं। यह एक ऐसी रेसिपी है जिसका स्वाद बड़ों से लेकर बच्चों तक को बेहद पसंद होता है। अगर आप भी भरवा करेले की सब्जी में दादी–नानी के हाथों जैसा स्वाद चाहते हैं तो ट्राई करें ये टेस्टी भरवा करेले की रेसिपी।

भरवा करेला बनाने के लिए सामग्री–

–6 करेले
– 5 से 6 लहसुन
– 3 हरी मिर्च
– 1 चम्मच जीरा
– 25 ग्राम मूंगफली
– 1 चम्मच सरसों के बीज
– 1/2 कच्चा आम
– 3/2 कप पानी
– 1 चम्मच नमक
– 1 बड़ा चम्मच तेल
– 2 कटे हुए प्याज
– 1 कटा हुआ टमाटर
– 1 चम्मच हल्दी पाउडर
– 1/2 चम्मच अजवाइन

भरवा करेला बनाने की विधि–

भरवा करेला बनाने के लिए सबसे करेले को धोकर उसके छिलके निकालने के बाद करेले को बीच में से काटकर उसके बीज भी निकाल लें। इसके बाद भरवा करेला का मसाला तैयार करने के लिए एक बर्तन में लहसुन, हरी मिर्च, जीरा, मूंगफली, सरसों के दाने और कच्चे आम को डालकर पीस लें। अब करेले को पानी में नमक डालकर उबाल लें। करेले की स्टफिंग तैयार करने के लिए एक पैन में तेल गर्म करके उसमें प्याज, टमाटर और मसाले डालकर अच्छी तरह से भून लें। अब इस स्टफिंग को करेले में भरकर धागे से बांधकर इसे तेल में तलकर अच्छी तैयार पका लें। आपके टेस्टी भरवा करेले बनकर तैयार है। आप इसे रोटी, पराठे के साथ गर्मा–गर्म सर्व कर सकते हैं।

क्या पराठा खाकर भी कर सकते हैं आप अपना वेट लॉस? अपनाने होंगे एक्सपर्ट्स के ये टिप्स

अगर आप पराठा लवर हैं और सुबह नाश्ते से लेकर डिनर तक में पराठा खाना पसंद करते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। जी हां, मोटापे के डर से अगर अब तक आपने पराठों से दूरी बनाई हुई थी तो अब आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। आप अपनी फेवरेट पराठा रेसिपी में थोड़ा सा बदलाव करके बिना वेट गेन किए उसका मजा ले सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट सिमरत कथूरिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करके बताया है आप कैसे कुछ बदलाव के साथ बिना वजन बढ़ाए आप पराठों का मजा ले

सकते हैं।

पराठे की स्टफिंग –

पराठे को हेल्दी बनाने के लिए इस बात का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है कि आप अपने पराठे की स्टफिंग में क्या भर रहे हैं। इसके लिए न्यूट्रिशनिस्ट कथूरिया ने सलाह दी है कि आप स्टफिंग के लिए उच्च फाइबर वाली सब्जियां चुनें। उदाहरण के लिए, मूली।

कैसा हो आटा?

पराठे को हेल्दी बनाने के लिए उसके लिए इस्तेमाल किया जाने वाले आटा भी काफी महत्वपूर्ण होता है। आप पराठे के आटे के लिए हाई फाइबर आटे का विकल्प चुन सकते हैं जैसे चोकर आटा या ओट्स आटा। कथूरिया कहती हैं कि पराठों के लिए हमेशा ऐसा आटा पसंद करें जो आपके वेट लॉस में भी आपकी मदद करे।

फैट की मात्रा –

आपको जानकर हैरानी होगी कि आप सिर्फ पराठा बनाने के तरीके में थोड़ा सा बदलाव करके अपनी सेहत में बहुत बड़ा फर्क ला सकते हैं। इसके लिए कथूरिया सलाह देती हैं कि पराठे को पकाते समय उसमें रिफाइंड तेल की जगह थोड़ी सी मात्रा में घी का यूज करें। ऐसा करके आप कैलोरी और वसा की मात्रा को न्यूनतम स्तर पर रख सकते हैं।

ब्रेस्टमिल्क स्टोर करने रखने वाली महिलाएं जान लें ब्रेस्टपंपिंग के ये 7 साइडइफेक्ट्स

नवजात शिशु 6 महीनें तक अपनी पोषण संबंधी जरूरतों के लिए मां के दूध पर ही निर्भर रहता है। मां का दूध सुपाच्य होने की वजह से बच्चे के पेट में गड़बड़ी होने की आशंका को भी दूर रखता है। लेकिन कई बार मां के वर्किंग होने की वजह से या ट्रेवलिंग के दौरान उसके लिए अपने बच्चे को ब्रेस्ट फीड करवाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। जिसकी वजह से उन्हें अपने बच्चे को फीड करवाने के लिए ब्रेस्ट पंप का सहारा लेना पड़ता है। आज भले ही ब्रेस्ट मिल्क पंप ने कुछ महिलाओं का जीवन आसान बना दिया हो लेकिन क्या आप जानती हैं ब्रेस्ट मिल्क पंप का ज्यादा इस्तेमाल करने के कुछ साइडइफेक्ट्स भी हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

ब्रेस्ट मिल्क पंप करने के साइडइफेक्ट–

मां का दूध कम हो जाता है–

ब्रेस्ट मिल्क को लगातार पंप करने से मां का दूध कम होने लगता है। यदि मां का दूध बच्चे को सीधा न पिलाया जाए तो दूध बनना कम हो जाता है।

निप्पल और ब्रेस्ट टिश्यू हो सकते हैं डैमेज–

कई महिलाओं को यह बात जानकर हैरानी हो सकती है कि ब्रेस्ट पंप निपल्स और स्तन के ऊतकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इतना ही नहीं ब्रेस्ट को पंप करते समय अगर गलत सेटिंग हो गई हो तो वो दर्द का कारण भी बन सकता है।

समय अधिक लगता है–

हाथ से पंप करने मां के स्तनों और दोनों हाथों में दर्द हो सकता है, क्योंकि मैन्युअली पंप करने से महिलाओं को बहुत अधिक समय लगता है, जो मां को थका देता है।

बच्चा होता है कंफ्यूज–

अगर आप स्तनपान करवाते समय बार–बार बच्चे को बोतल और स्तन के बीच स्विच करवाती रहती हैं, तो ऐसा करने से बच्चा कंफ्यूज हो सकता है। जिसकी वजह से बच्चा मां के निप्पल को ज्यादा जोर से चूस सकता है। इससे मां के निप्पल में दर्द भी हो सकता है।

बच्चे के दांत हो जाते हैं खराब–

बच्चे को लंबे समय तक बोतल से दूध पिलाने से बच्चे के दांत खराब हो सकते हैं। जब बच्चा स्तनपान करता है, तो दूध बच्चे के दांतों तक नहीं पहुंचता है। लेकिन बोतल से दूध पिलाते समय, बच्चा अक्सर बोतल को मुंह में रखकर सो जाता है, जिससे दांतों में सड़न हो सकती है।

फ्रीज करने से पोषक तत्व होते हैं कम

जब बच्चा मां की फीड सीधा लेता है तो उसे हेल्दी ग्रोथ के लिए सभी पोषक तत्व मिलते हैं। लेकिन ज्यादा समय के लिए ब्रेस्ट मिल्क को फ्रीज करने और दोबारा गर्म करने से उसमें मौजूद पोषक तत्वों में कमी हो जाती है।

ढ़ीले हो जाते है ब्रेस्ट–

इलेक्ट्रिक ब्रेस्ट पंप का इस्तेमाल करने से स्तनों में सूजन आने के साथ ब्रेस्ट ढ़ीले भी हो सकते हैं।

ब्रेस्ट मिल्क पंप करने का सही तरीका–

ब्रेस्ट मिल्क पंप करते समय महिलाओं को हमेशा अपने हाथ अच्छी तरह धो लेने चाहिए। इसके अलावा महिलाओं को ब्रेस्ट मिल्क पंप करते समय अपने मन को शांत रखते हुए अपने बच्चे को पास रखना चाहिए और उसी के बारे में सोचना चाहिए। इसके बाद धीरे–धीरे ब्रेस्ट पंप करना शुरू करें और फिर इसे धीरे–धीरे इसे बढ़ाएं।

बिना दवा खाएं बढ़ाना चाहते हैं पीरियड्स की डेट तो अपनाएं ये असरदार नुस्खे

घर पर जल्द ही कोई शादी, पूजा या फंक्शन होने वाला है और आपकी पीरियड की डेट भी नजदीक है, जिसे आप बिना कोई दवा खाए टालना चाहते हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। जी हां, अक्सर महिलाओं के साथ यह समस्या देखने को मिलती है। घर पर कोई फंक्शन होने वाला होता है और उनकी पीरियड की डेट आ जाती है। जिससे फंक्शन का मजा किरकिरा हो जाता है। अगर आप भी इस तरह की समस्या कई बार झेल चुकी हैं तो पीरियड की डेट आगे बढ़ाने के लिए अपनाएं ये प्राकृतिक नुस्खे। इन नुस्खों की खासियत यह है कि इनका शरीर पर कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है।

पीरियड्स टालने के लिए अपनाएं ये टिप्स–

नींबू–

पीरियड्स की डेट आगे बढ़ाने के लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। नींबू का इनटेक बढ़ाने से ब्लड फ्लो को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। नींबू के इस उपाय को करने के लिए आप गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पीएं।

पपीता –

गर्भवती महिलाओं को अक्सर पपीते का सेवन नहीं करने की सलाह दी जाती है। पपीते में मौजूद कैरोटीन एस्ट्रोजन हॉर्मोन के लेवल को बढ़ा देता है। जिससे यूट्राइन ब्लड फ्लो बदल जाता है और मिसकैरेज तक की संभावना बढ़ जाती है। लेकिन पीरियड्स डिले करने के लिए पपीता एक अच्छा उपाय हो सकता है।

एप्पल साइडर विनेगर–

मेंसुरल साइकिल में देरी के लिए आप एप्पल साइडर विनेगर को इस्तेमाल कर सकती हैं। इस उपाय को करने के लिए एक गिलास पानी में एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर पीएं। ऐसा करने से मासिक धर्म कुछ दिन के लिए लेट हो सकता है।

मसालेदार खाना

अगर आप चाहते हैं कि आपकी पीरियड्स की डेट कुछ दिन के लिए आगे बढ़ जाए तो तुछ दिन मसालेदार भोजन करने से परहेज करें। मसालेदार भोजन शरीर में गर्मी पैदा करके ब्लड फ्लो को बढ़ा सकता है। जिससे आपको पीरियड आ सकते हैं।

चावल का पानी–

चावल का पानी पीने से भी पीरियड्स को थोड़ा डिले किया जा सकता है। चावल के पाने को पीने के लिए आप उसमें नींबू का रस मिलाकर दिन में कम से कम 3 बार पी सकती है।

आपके चेहरे का निखार छीन सकती है खाने की ये 3 सफेद चीजें, तुरंत बन लें दूरी

आपने अक्सर लोगों को यह कहते हुए सुना होगा कि खूबसूरती मन से होती है न की तन से, बावजूद इसके हर व्यक्ति असल जिंदगी में खूबसूरत दिखने की ख्वाहिश रखता है। जिसके लिए वो कई बार बाजार में मिलने वाली महंगी क्रीम और लोशन तक खरीदने से परहेज नहीं करता है। लेकिन उसे अपनी त्वचा में वैसा नेचुरल ग्लो देखने को नहीं मिलता है, जैसा वो हमेशा से चाहता है। क्या आप इसके पीछे की वजह जानते हैं? अगर आपकी भी यही समस्या और सवाल है तो सबसे पहले अपने चेहरे की क्रीम पर नहीं बल्कि अपनी डाइट पर थोड़ा ध्यान दें। एक हेल्दी ग्लोइंग त्वचा सिर्फ स्किनकेयर रूटीन पर ही नहीं बल्कि आप क्या खाते हैं उस पर भी निर्भर करती है। डाइटिशियन राधिका गोयल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करके उन 3 सफेद चीजों को बताया है जो रोजाना आपके चेहरे का ग्लो छीन रही हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

मैदा–

मैदा में न सिर्फ पोषक तत्वों की बल्कि फाइबर की मात्रा भी कम होती है। इसके अलावा यह शुगर लेवल को बढ़ाता है, जिससे शरीर में सूजन पैदा हो सकती है। मैदे का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 70 होता है। इसका मतलब है कि जब आप एक कटोरी मैदा खाते हैं, तो खाने के करीब 30 मिनट तक आपका ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ेगा। मैदा का अधिक सेवन कोलेजन और इलास्टिन को भी नुकसान पहुंचाता है।

उच्च वसा वाले डेयरी उत्पाद–

डेरी प्रोडक्ट में कई ऐसे तत्व होते हैं, जिससे मुंहासों की समस्या हो सकती है। श्यूरोपीय एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरोलॉजी (ईएडीवी) कांग्रेसश द्वारा किए गए शोध में पहली बार मुहांसे के आंतरिक और बाहरी कारकों की स्टडी

की गई। जिसमें शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों के चेहरे पर ज्यादा मुंहासे थे, उनमें से लगभग 50 प्रतिशत लोगों रोज डेयरी उत्पादों का सेवन करते थे। इससे अलग जो लोग डेयरी उत्पाद कम खाते थे, उन्हें कम मुंहासे थे। ऐसे में अगर आप पनीर लवर हैं तो हो सकता है आपको सुनकर थोड़ा बुरा लगे लेकिन डेयरी उत्पादों में मौजूद संतृप्त वसा सीबम और क्लॉग पोर्स को बढ़ाकर जिद्दी मुंहासों की समस्या पैदा कर सकते हैं।

चीनी–

मीठा खाने के शौकीन लोग अगर लंबे समय तक जवां बने रहना चाहते हैं तो अपनी डाइट में से मीठे को कम कर दें। जरूरत से ज्यादा मीठे का सेवन केरने से त्वचा को बेहतर और अच्छा बनाए रखने के जिम्मेदार कोलेजन और इलास्टिन नाम के दो प्रोटीन की मात्रा कम होने लगती है। शुगर आपकी त्वचा के कोलेजन और इलास्टिन को नुकसान पहुंचाकर आपकी त्वचा की चमक को फीका कर सकता है।

संक्षिप्त

धर्मशाला वनडे में खेलते ही नया कीर्तिमान बनाएंगे रोहित शर्मा, इस मामले में सभी को छोड़ देंगे पीछे

धर्मशाला, एजेंसी। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से होने जा रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। रोहित शर्मा को वनडे सीरीज में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। रोहित पहले वनडे मुकाबले में मैदान पर उतरने के साथ ही खास उपलब्धि हासिल कर लेंगे। दरअसल, धर्मशाला के मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ अगर रोहित शर्मा पहला वनडे मुकाबला खेलते हैं, तो वह भारत की ओर से वनडे क्रिकेट मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। रोहित 37 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करेंगे, जो अभी मोहिंदर अमरनाथ के नाम दर्ज है। मोहिंदर ने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी वनडे मुकाबला खेला था। वहीं, शनिवार 13 जून को रोहित की उम्र 39 साल और 44 दिन होगी। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें, तो वनडे क्रिकेट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी नीदरलैंड्स के नोलन क्लार्क रहे हैं, जिन्होंने 47 साल और 257 दिन की उम्र में वनडे मैच खेला था। रोहित ने आखिरी वनडे सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ इस साल की शुरुआत में खेली थी। तीन मुकाबलों की सीरीज में रोहित का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम के पूर्व कप्तान से फैंस को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। 50 ओवर के फॉर्मेट में रोहित का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ दमदार रहा है। तीन मुकाबलों में रोहित 75 की औसत और 127 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ 150 रन बना चुके हैं। रोहित इस दौरान एक शतक भी लगा चुके हैं। विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में रोहित पर अधिक जिम्मेदारी भी होगी। कोहली और हार्दिक चोट की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। विराट हैमस्ट्रिंग की इंजरी से जूझ रहे हैं, जबकि हार्दिक के बाएं पैर में निगल (हल्की चोट) है। विराट के स्थान पर यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है।

बाजार में लौटी रौनक, शांति की उम्मीद और सस्ते क्रूड के असर से सेंसेक्स 850 अंक उछला

नयी दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार की सुबह भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों के लिए एक शानदार सौगात लेकर आई है। बीते दिन की सुस्ती के बाद आज दलाल स्ट्रीट पर जबरदस्त खरीदारी का माहौल देखने को मिला। वैश्विक बाजारों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों, अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की मजबूत उम्मीदों और कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार का मूड पूरी तरह बदल दिया है। इन मजबूत ट्रिगर्स के चलते निवेशकों की धारणा में बड़ा सुधार हुआ और सभी प्रमुख सूचकांक कारोबार की शुरुआत में ही बड़ी बढ़त हासिल करने में सफल रहे। बाजार खुलते ही चौतरफा खरीदारी का असर सूचकांकों पर साफ दिखाई दिया। सुबह 9रू36 बजे तक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 870.98 अंकों यानी 1.17: की जोरदार छलांग लगाकर 74,703.53 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी तरफ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी पीछे नहीं रहा। निफ्टी भी शानदार तेजी के साथ 23,400 के अहम स्तर के बेहद करीब पहुंच गया और यह 23,396.25 के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आया। दोनों प्रमुख सूचकांकों में 1 फीसदी से ज्यादा का यह उछाल बाजार में निवेशकों की ओर से जोखिम लेने के रुझान को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। आज

बाजार की रैली किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें चौतरफा खरीदारी देखने को मिली है, जिससे सभी प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। सबसे आगे रहे सेक्टररू आज के कारोबार में रियल्टी सेक्टर ने बाजार की बढ़त का नेतृत्व किया। इसके साथ ही ऑटो, मीडिया और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जो इस बात का संकेत है कि साइक्लिकल सेक्टर और घरेलू थीम बाजार को आउटपरफॉर्म कर रहे हैं। डिफेंसिव और बैंकिंग का सपोटर्रू बैंकिंग शेयरों ने बाजार को मजबूत सपोर्ट दिया है। वहीं, एफएमसीजी, फार्मा और हेल्थकेयर जैसे श्डिफेंसिव सेक्टर्सश में भी लगातार बढ़त देखी गई, जो यह बताता है कि निवेशकों की ओर से एक संतुलित खरीदारी हो रही है। आईटी सेक्टर की सुस्तीरू हालांकि, बाजार के इस पूरे जोश के बीच टेक शेयरों की भागीदारी काफी सीमित रही और आईटी सेक्टर में केवल मामूली बढ़त ही दर्ज की गई। भारतीय बाजारों की इस बंपर तेजी को वैश्विक बाजारों के मजबूत आंकड़ों का भी पूरा साथ मिल रहा है। आज एशियाई और यूरोपीय बाजारों के वायदा में सकारात्मक रुख देखने को मिला है एशियाई बाजारों में, जापान के टोपिक्स इंडेक्स में 1.4: और ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपीध्एएसएक्स 200 में 1.5: की सबसे शानदार तेजी दर्ज की गई है। टोक्यो समयानुसार सुबह 9रू04 बजे तक हांगकांग के हैंग सेंग फ्यूचर्स 0.9: की बढ़त पर रहे। इसके अलावा, अमेरिकी बाजार के एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.2: और यूरोपीय बाजार के यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स में 0.5: की तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। भू–राजनीतिक मोर्चे पर अमेरिका–ईरान के बीच संभावित शांति और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने वैश्विक स्तर पर निवेशकों की चिंताओं को काफी हद तक कम कर दिया है। भारतीय बाजार में आज हर सेक्टर में दिखाई दे रही हरियाली इस बात का स्पष्ट संकेत है कि निवेशक फिलहाल बाजार के आउटलुक को लेकर बेहद सकारात्मक हैं। यदि वैश्विक हालात इसी तरह स्थिर रहते हैं, तो बाजार का यह मजबूत मोमेंटम बरकरार रह सकता है।

फटाफट क्रिकेट में दम दिखाने की बारी

पहली बार खिताब जीत सकेगी भारतीय महिला टीम? रिकॉर्ड 12 टीमें लेंगी हिस्सा

एजबेस्टन, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुक्रवार से शुरुआत होने जा रही है। भारतीय महिला टीम ने अब तक कभी टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है, लेकिन वह इस बार प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच से करेगा। भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम आईसीसी टी20 महिला विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के पारंपरिक दबदबे को चुनौती दे सकती हैं।

टूर्नामेंट में दिखेगी कड़ी प्रतिस्पर्धा

पिछले नौ में से छह टूर्नामेंट जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम सातवां खिताब जीतने को बेताब होगी लेकिन अब यह काम आसान नहीं रह गया है।

गत चौंपियन न्यूजीलैंड की टीम भी काफी मजबूत है और फिर भारत भी है जिसने पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप के रूप में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था।

घरेलू परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड और पिछली तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचे दक्षिण अफ्रीका को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

इस लिहाज से इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मुकाबले से शुरू हो रहा विश्व कप अब तक का सबसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट होगा।

यह 2009 में हुए पहले सत्र के बाद से ब्रिटेन में होने वाला पहला विश्व कप भी है।

पहले से कहीं अधिक बड़ा और रोमांचक होगा टूर्नामेंट

यह भाग लेने वाली टीम की संख्या (12) के हिसाब से भी सबसे बड़ा है जिसमें 2024 की तुलना में आयरलैंड और नीदरलैंड भी शामिल हो गए हैं। यह विस्तार इस बात का संकेत है कि महिला क्रिकेट दुनिया भर में मजबूत हो रहा है, लेकिन इससे भी अधिक खुशी की बात है कि सभी टीम को बराबरी का मौका मिल रहा है और नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

इंग्लैंड के पास ऐलिस कैप्सी, टिली कोर्टीन–कोलमैन और फ्रेया

कैम्प जैसी युवा खिलाड़ी हैं, जबकि श्रीलंका की टीम में विश्मी गुणरत्ने, इमेशा दुलानी, कविशा दिलहारी और काव्या काविंदी जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर 25 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय सर्किट की सबसे युवा कप्तानों में से एक हैं। उनकी 2020–21 सत्र के दौरान अवसास और आत्महत्या के विचारों से उबरने की उनकी कहानी भी बहुत प्रेरणादायक है।

मजबूत दावेदार भारत की टीम में एन श्री चरणी, यस्तिका भाटिया और नंदनी शर्मा जैसी युवा खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब भी खिताब जीतने के लिए अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रही है लेकिन उनकी टीम में बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी लूसी हैमिल्टन के रूप में दो बेहतरीन युवा स्टार भी हैं। लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम को कायला रेनेके और एनेरी डर्कसेन जैसे नए खिलाड़ियों की पीढ़ी आगे बढ़ रही है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल और डैन वैन नीकर्क को संन्यास से वापस बुलाया गया है।

नई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

इन नई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेगी क्योंकि उन पर उन शानदार खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है जो अपने शानदार करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं। वर्ष 2017 के बाद पहली बार आईसीसी खिताब के बिना उतर रहे ऑस्ट्रेलिया का दबदबा अब भी कायम है और उन्हें हराना सबसे बड़ी चुनौती होगी। कई अनुभवी खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हैं जिनमें बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिस पैरी, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड और मेगन शूट जैसी सीमित ओवरों की दिग्गज शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देगा भारत

ऑस्ट्रेलिया के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा भारत होगा जो अब सीमित ओवरों के क्रिकेट में एक मजबूत और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम बन गई है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ऑस्ट्रेलिया की तरह ही एक ही समय में 50 ओवर और टी20 विश्व कप जीतने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेगी। रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ जैसी तेज गेंदबाजों, दीप्ति शर्मा जैसी अनुभवी ऑलराउंडर और बहुत मजबूत बल्लेबाजी क्रम के साथ टीम के पास सात महीने से भी कम समय में एक और विश्व खिताब जीतने का अच्छा मौका है।

वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के लिए करना होगा इंतजार? आयरलैंड दौरे पर छाए संकट के बादल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को इस महीने के अंत में दो मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड का दौरा करना है। इस सीरीज के लिए युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को भी मौका दिया गया है। माना जा रहा है कि 15 साल के वैभव आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कर सकते हैं। लेकिन अब जो स्थिति बन रही है उसे देखते हुए लग रहा है कि उन्हें इसके लिए इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, भारत के आयरलैंड दौरे पर संकट के बादल छा गए हैं।

क्या टल जाएगी सीरीज?

आयरलैंड दौरे का आगाज हुआ भी नहीं है कि आगामी दौरा खतरे में पड़ने लगा है।

इसका कारण यह है कि जहां भारतीय टीम को अपने दोनों मुकाबले खेलने हैं, वहां पर हिंसा भड़क गई है।

बेलफास्ट में भड़के दंगे के बाद हर किसी की नजर आयरलैंड क्रिकेट के ऊपर टिकी हुई है।

फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि भारत और आयरलैंड के बीच खेली जानी वाली दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के मैच बेलफास्ट में ही खेले जाएंगे या सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे कहीं और शिफ्ट किया जाएगा।

बीसीसीआई और आयरलैंड क्रिकेट इस पूरे मामले पर पैनी नजर बनाए हुए है।

इसे लेकर अब आयरलैंड की तरफ से बयान भी साझा किया गया है।

रद्द हुआ इंटर प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल

यहीं नहीं बेलफास्ट में भड़के दंगे के बाद लिस्बर्न में आयोजित होने वाले इंटर प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल को रद्द कर दिया गया है जिसकी पुष्टि बीते गुरुवार को आयरलैंड क्रिकेट की तरफ से की गई। उस दौरान बताया गया था कि सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। इस पूरे मामले को लेकर आयरलैंड क्रिकेट ने भी बयान जारी किया है। क्रिकेट आयरलैंड ने कहा, बोर्ड उन इलाकों पर नजर गड़ाए हुए है जहां अशांति बनी हुई है।

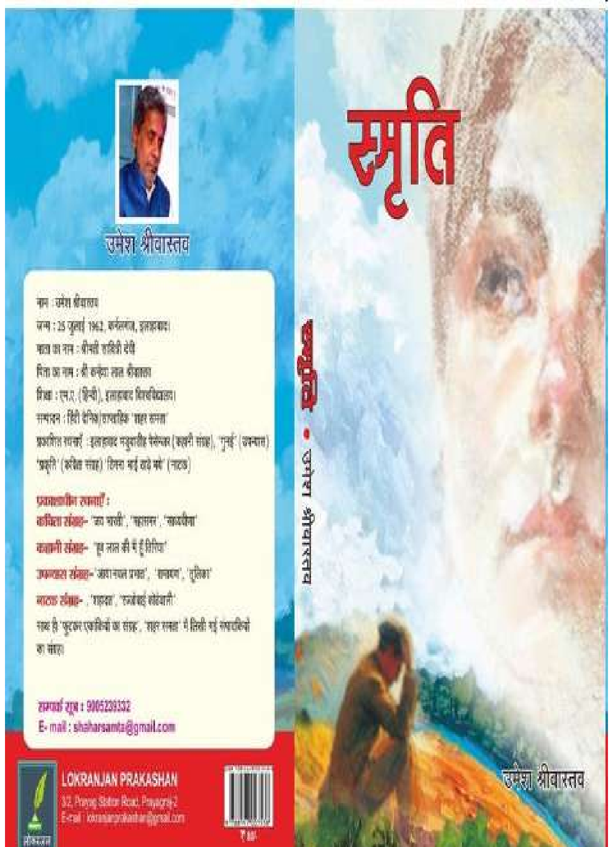

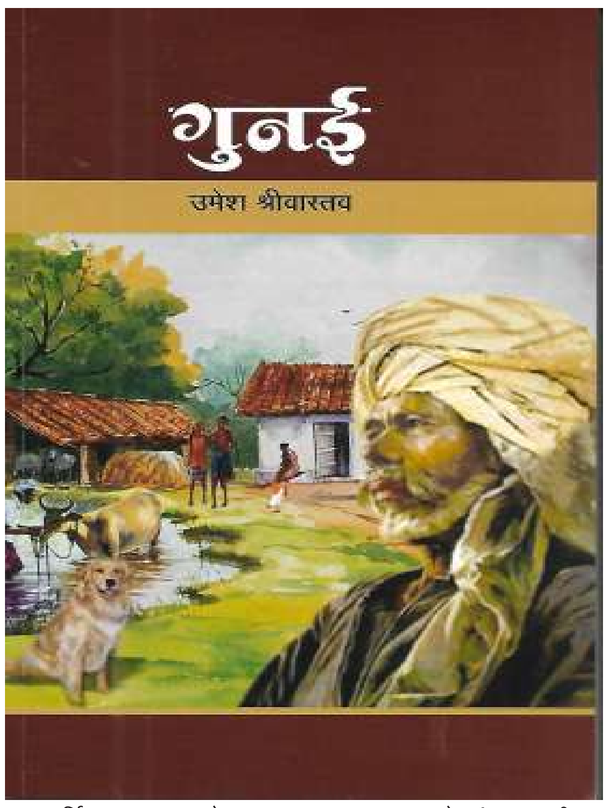

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

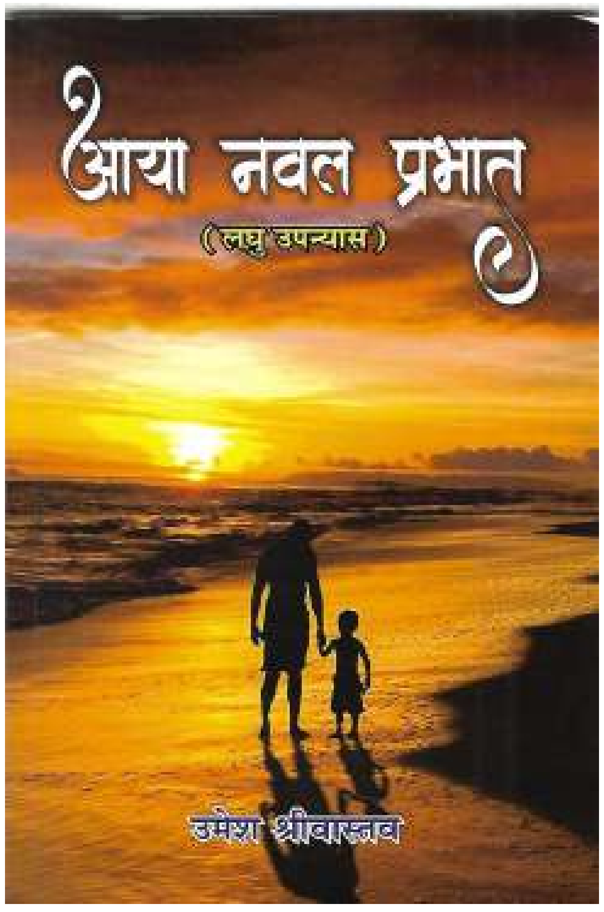

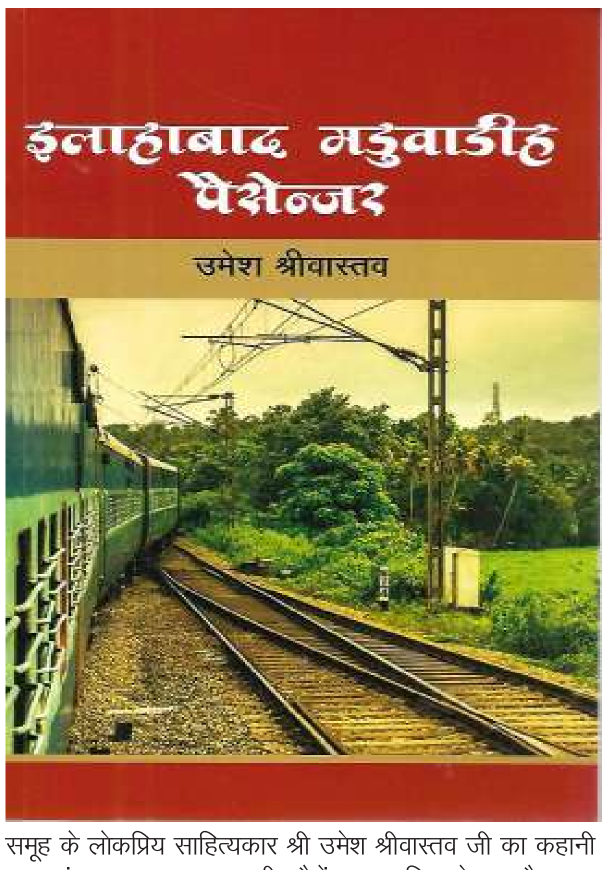

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

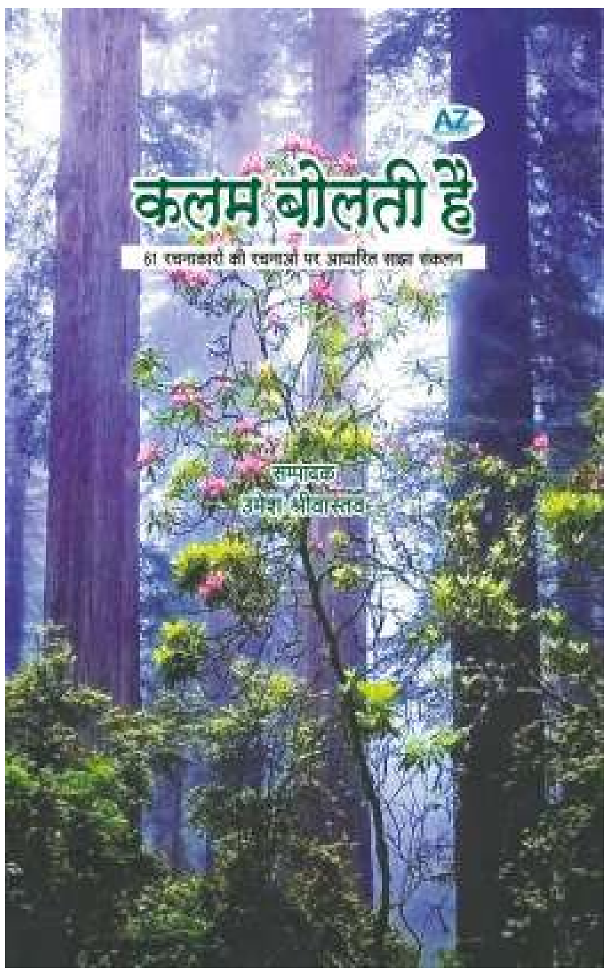

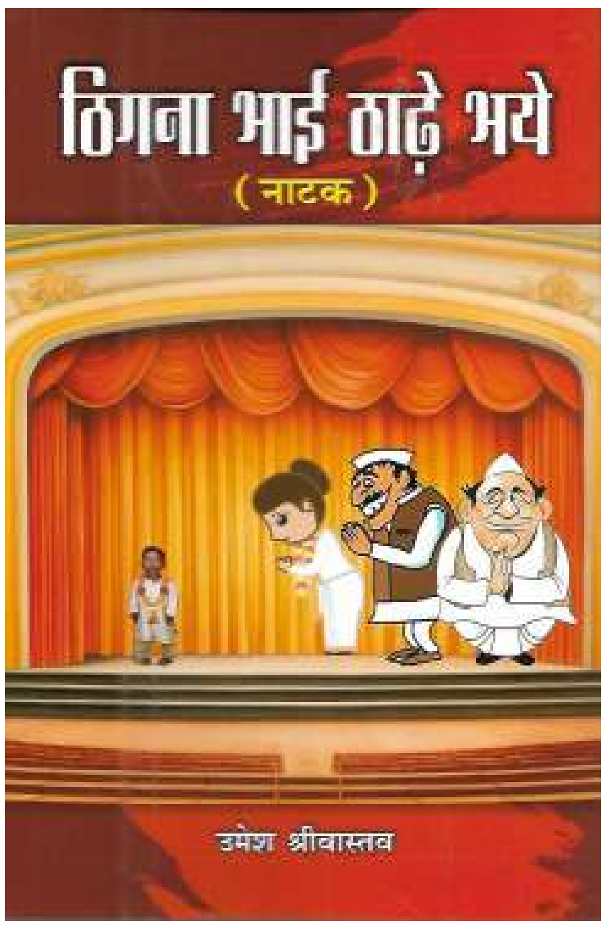

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान ने ट्रंप के दावों का किया खंडन: कहा- समझौते पर अंतिम फैसला नहीं, US को भारतीय नाविकों की मौत पर भी घेरा

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता लगभग तैयार है और जल्द ही उस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। लेकिन ईरान ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि किसी भी समझौते पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इसी बीच ओमान के तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले और उसमें भारतीय नाविकों के प्रभावित होने के मुद्दे पर भी ईरान ने अमेरिका की आलोचना की है। इससे पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और कूटनीतिक गतिविधियों पर नई बहस शुरू हो गई है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका के साथ किसी अंतिम समझौते की खबरें केवल अटकल हैं। उनके अनुसार तेहरान ने अभी तक किसी भी समझौते पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। बघाई ने कहा कि बातचीत की स्थिति शुरू से स्पष्ट थी और समझौते के मसौदे का बड़ा हिस्सा तैयार भी हो चुका था, लेकिन अमेरिकी पक्ष लगातार अपने रुख में बदलाव करता रहा। उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपनी तय लाल रेखाओं और राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करने की नीति अपनाई है। साथ ही उन्होंने बताया कि कतर और पाकिस्तान मध्यस्थ के रूप में सक्रिय हैं, लेकिन अमेरिकी कदम कूटनीतिक प्रक्रिया को प्रभावित कर रहे हैं।

ट्रंप ने समझौते को लेकर क्या दावा किया है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ ऐसा समझौता तैयार किया गया है जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव को समाप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और अगले कुछ दिनों में इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। ट्रंप के मुताबिक समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ईरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य आधिकारिक रूप से फिर से पूरी तरह खुल जाएगा, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार को राहत मिलेगी। हालांकि ईरान के ताजा बयान ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान की चिंता क्यों बढ़ी? इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाइयों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पहले की तुलना में कम सुरक्षित हो गया है। होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ईरान का मानना है कि क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव और टकराव से समुद्री सुरक्षा प्रभावित हुई है। बघाई ने चेतावनी दी कि यदि हालात नहीं सुधरे तो इसका असर केवल क्षेत्रीय देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार और व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। भारतीय नाविकों के मामले में ईरान ने क्या कहा? ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले को लेकर ईरान ने अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस्माइल बघाई ने कहा कि इस हमले में कम से कम तीन भारतीय नागरिक प्रभावित हुए हैं और यह घटना अमेरिका की कथित आक्रामक नीतियों का उदाहरण है। उन्होंने मृतक और लापता भारतीय नाविकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अमेरिका को जवाबदेह ठहराने की मांग की। ईरान का कहना है कि ऐसी घटनाएं वैश्विक शांति, समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के लिए खतरा हैं।

ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत, अमेरिकी अदालत ने 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ वसूली जारी रखने की दी अनुमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में आयात शुल्क को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई के बीच ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत मिली है। वॉशिंगटन स्थित संघीय अपील अदालत ने फैसला दिया है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक अमेरिकी सरकार दुनिया भर से

आने वाले सामान पर लगाए गए 10 प्रतिशत टैरिफ की वसूली जारी रख सकती है। अदालत के इस फैसले को ट्रंप प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण जीत माना जा रहा है, क्योंकि इससे सरकार को फिलहाल अपनी व्यापार नीति लागू रखने का रास्ता मिल गया है। पिछले महीने न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत ने छोटे कारोबारियों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए इन टैरिफ को अवैध करार दिया था। अदालत की बहुमत पीठ ने माना था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों की सीमा से आगे बढ़कर यह कदम उठाया है। अदालत ने कहा था कि टैरिफ लगाने का यह फैसला कानून द्वारा अधिकृत नहीं था। अपील अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन की दलीलें पहली नजर में मजबूत दिखाई देती हैं और सरकार का पक्ष अंतिम सुनवाई में सफल हो सकता है। इसी आधार पर अदालत ने अंतिम निर्णय आने तक टैरिफ वसूली जारी रखने की अनुमति दे दी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

दबाव में झुका बांग्लादेश ?: भगवान राम की विशाल प्रतिमा परियोजना पर लगाई रोक, धार्मिक स्वतंत्रता पर उठे सवाल

ढाका ,एजेंसी। बांग्लादेश के अधिकारियों ने भगवान राम की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा के निर्माण को निलंबित करने का आदेश दिया है। यह प्रतिमा गाइबांधा जिले के पलाशबारी उपजिला में स्थित श्री श्री राधा गोविंदा और काली मंदिर में लगाई जा रही थी। यह जानकारी स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार है। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, मंदिर के सलाहकार श्याममल कुमार महंत ने गुरुवार शाम मंदिर सभागार में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की। इस फैसले से तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आलोचकों का आरोप है कि परियोजना का विरोध करने वाले इस्लामी समूहों के दबाव में इसे निलंबित किया गया है। निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता

तस्लीमा नसरीन ने राम मंदिर के निर्माण के इर्द-गिर्द हो रही धमकियों, उकसावे और शत्रुतापूर्ण बयानबाजी की कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस देश में कई लाख मस्जिदें मौजूद हैं और जिनका निर्माण जारी है। वहां एक अकेले हिंदू पूजा स्थल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। नसरीन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्बांग्लादेश में कई लाख मस्जिदें हैं और पूरे देश में नई मस्जिदें बनती जा रही हैं। तो फिर एक राम मंदिर या भगवान राम की मूर्ति के निर्माण का इतना विरोध क्यों हो रहा है? अगर धार्मिक स्वतंत्रता सचमुच सबके लिए है, तो यह अल्पसंख्यकों पर भी समान रूप से लागू होनी चाहिए, न कि केवल बहुसंख्यकों पर। लेखिका तस्लीमा नसरीन ने क्या कहा? उन्होंने आगे कहा श्पालाशबारी, गाइबांधा में निर्माणाधीन राम मंदिर के खिलाफ मिल रही धमकियां, उकसावे और नफरत भरी बयानबाजी बेहद चिंताजनक है। किसी भी व्यक्ति या समूह को सिर्फ इसलिए किसी दूसरे समुदाय के पूजा स्थल को गिराने का अधिकार नहीं मिल जाता क्योंकि उन्हें वह पसंद नहीं है। कानून के शासन वाले राज्य में धार्मिक मतभेदों का समाधान हिंसा या बर्बरता से नहीं किया जा सकता।

अस्तित्व का संकट क्यों बताया जा रहा नसरीन ने इस बात पर जोर दिया कि पलाशबारी में हिंदू मंदिरों पर हमलों और मूर्तियों को तोड़ने के इतिहास को देखते हुए स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, जिससे हिंदी भाषी अल्पसंख्यक समुदाय असुरक्षित महसूस करता है। नसरीन ने सवाल उठाया श्दुनिया भर के कई मुस्लिम बहुल देशों में – जिनमें इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया और ओमान शामिल हैं। बड़े-बड़े हिंदू मंदिर हैं। इन देशों में मंदिरों का अस्तित्व राज्य के लिए खतरा नहीं माना जाता। तो फिर बांग्लादेश में एक मंदिर के निर्माण को कुछ मुसलमानों के अस्तित्व का संकट क्यों बताया जा रहा है? इसी बीच, बांग्लादेशी समाचार पत्र श्ब्लिट्ज श के संपादक सलाहुद्दीन शोएब चौधरी ने भी इस्लामी चरमपंथी समूहों के दबाव के बीच मंदिर निर्माण के रुकने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। चौधरी ने एक्स पोस्ट में लिखा,श बांग्लादेश के गाइबांधा जिले में चल रहे सनातन परिसर के अधिकारियों ने स्थानीय जिहादी और इस्लामी समूहों के व्यापक विरोध के बीच सभी गतिविधियों को निलंबित करने और भगवान राम की मूर्ति का निर्माण रोकने की घोषणा की है।

भारत की दो-टूक: यूरोपीय हथियार के सवाल पर जयशंकर का पलटवार, बोले- हमने कभी यूरोप को खतरा नहीं पहुंचाया

हेलसिंकी , एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यूरोप की ओर से रूस से तेल खरीद को लेकर उठाए जाने वाले सवालों का जवाब देते हुए एक ऐसा मुद्दा उठाया है, जिसने वैश्विक राजनीति में दोहरे मानकों पर नई बहस छेड़ दी है। फिनलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने कहा कि यूरोप वर्षों से ऐसे हथियार बेचता रहा है जिनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ हुआ है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने कभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जिससे किसी यूरोपीय देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचा हो। उनका यह बयान भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों को लेकर स्पष्ट रुख को दर्शाता है। क्या था वह सवाल, जिस पर जयशंकर ने दिया यह जवाब? फिनलैंड में आयोजित कुल्तारांता वार्ता के दौरान उभरती शक्तियां और नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नाम के विषय पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान जयशंकर से पूछा गया कि क्या भारत रूस के प्रति जरूरत से ज्यादा नरम रुख अपना रहा है और क्या वह रूस से तेल खरीदने को लेकर अधिक इच्छुक है। इस सवाल के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि भारत के फैसलों

को केवल एक पक्ष से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि जब भारत के ऊर्जा संबंधी फैसलों पर सवाल उठाए जाते हैं, तब यह भी देखा जाना चाहिए कि दुनिया के दूसरे देश किस तरह के कदम उठाते रहे हैं। यूरोपीय हथियारों को लेकर भारत ने क्या कहा? जयशंकर ने कहा कि कोई भी यूरोपीय देश ऐसा नहीं है जिस पर भारतीय हथियारों से हमला हुआ हो। लेकिन भारत यह बात जरूर कह सकता है कि यूरोप में बने और बेचे गए हथियारों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल आज की बात नहीं है, बल्कि कई वर्षों से ऐसा होता रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारतीयों ने कभी ऐसा कुछ नहीं किया जिससे यूरोप की सुरक्षा को खतरा पैदा हो, इसलिए भारत के प्रति अलग मापदंड अपनाना उचित नहीं माना जा सकता। उनके इस बयान को यूरोपीय देशों की आलोचनाओं का सीधा जवाब माना जा रहा है। रूस से तेल खरीदने को भारत क्यों मानता है सही फैसला? विदेश मंत्री ने कहा कि भारत तेल की खरीद केवल दो आधारों पर करता है। कीमत और उपलब्धता। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में वैश्विक परिस्थितियां तेजी से बदलीं। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद यूरोपीय देशों ने मध्य पूर्व के उन स्रोतों से अधिक तेल खरीदना शुरू कर दिया, जो लंबे समय से भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहे थे। ऐसे में बाजार में रूसी तेल अधिक मात्रा में उपलब्ध था और उसकी कीमत भी प्रतिस्पर्धी थी। भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया। अमेरिका की भूमिका को लेकर क्या बोले विदेश मंत्री? जयशंकर ने चर्चा के दौरान यह भी कहा कि उस समय अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया था। उनका कहना था कि वैश्विक तेल बाजार को स्थिर बनाए रखने और कीमतों में तेज बढ़ोतरी रोकने के लिए यह जरूरी माना गया था। उन्होंने कहा कि यदि बाजार में आपूर्ति प्रभावित होती, तो दुनिया भर में ऊर्जा संकट और महंगाई की स्थिति और गंभीर हो सकती थी। इसलिए भारत का फैसला केवल अपने लिए नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार की स्थिरता के लिहाज से भी महत्वपूर्ण था। भारत की ऊर्जा और विदेश नीति का क्या संदेश है? विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत की विदेश नीति और ऊर्जा नीति दोनों राष्ट्रीय हितों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि रूस इस समय भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है, जबकि अमेरिका प्राकृतिक गैस का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। भारत किसी भी देश के साथ संबंधों का निर्धारण वैचारिक दबाव या बाहरी आलोचना के आधार पर नहीं करता। जयशंकर के बयान से यह संदेश गया है कि भारत अपने रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए स्वतंत्र फैसले लेने की नीति पर कायम रहेगा। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वैश्विक मंचों पर भारत अब अपने हितों और चिंताओं को पहले की तुलना में अधिक स्पष्टता और मजबूती के साथ रखने से पीछे नहीं हटेगा।

ईरान की हिट लिस्ट में कई कंपनियां: मस्क की कंपनी पर भी हमले की आशंका, तेहरान बोला- ये US और इस्राइल के मददगार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने एक चेतावनी जारी की है। उसने कहा है कि वह एलन मस्क के सभी व्यापारिक संस्थानों को सैन्य निशाना मानेगा। इसमें स्पेसएक्स की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) शामिल हैं। ईरान की सरकारी

मीडिया श्फार्सश के अनुसार, तेहरान ने अपनी सैन्य हिट लिस्ट बढ़ा दी है। अब इसमें पश्चिम एशिया में मौजूद मस्क की कंपनियों से जुड़े सभी आर्थिक हित और स्टारलिंक के ग्राउंड स्टेशन शामिल हैं। ईरान का दावा ईरानी अधिकारियों का दावा है कि मस्क की कंपनियां अमेरिका और इस्रायल की सैन्य कार्रवाइयों में सक्रिय रूप से मदद कर रही हैं। उनका कहना है कि ये कंपनियां ड्रोन हमलों और मानवरहित समुद्री जहाजों जैसे आधुनिक हथियारों को चलाने में सहयोग देती हैं। ईरान का मानना है कि अमेरिका ने मस्क की कंपनियों की मदद से युद्ध अपराध किए हैं। इसलिए ईरान इन कंपनियों के ठिकानों पर हमला करने का पूरा अधिकार रखता है। ईरान की यह चेतावनी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट के तुरंत बाद आई है। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिकी सेना ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लेगी। ईरान इन कंपनियों पर भी लगा चुका है आरोप एलन मस्क की कंपनियों को धमकी देना ईरान की पहली ऐसी कोशिश नहीं है। इस साल की शुरुआत में ईरान की श्इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्सश (आईआरजीसी) ने अपना ध्यान पारंपरिक हथियारों से हटाकर सूचना तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों पर लगाया था। आईआरजीसी ने 18 से ज्यादा बड़ी अमेरिकी कंपनियों को अपनी हिट लिस्ट में शामिल किया है। इसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और एनवीडिया जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा बोइंग, टेस्ला और पालान्टिर को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। खबरों के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन में अमेजन वेब सर्विसेज के डेटा सेंटरों को ईरानी ड्रोन हमलों से नुकसान पहुंचा था। इन हमलों की वजह से वहां बिजली की सप्लाई रुक गई थी और आग बुझाने वाले सिस्टम से पानी निकलने के कारण काफी नुकसान हुआ था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

रक्षा सचिव के बाद सशस्त्र बल के मंत्री अल कार्न्स का भी इस्तीफा, बजट पर बढ़ा विवादय मुश्किल में स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के मंत्री अल कार्न्स ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने रक्षा निधि और सैन्य तैयारियों को लेकर गहरी चिंताओं का हवाला दिया। इस कदम से राष्ट्रीय सुरक्षा खर्च

को लेकर प्रशासन के भीतर मौजूद मतभेद और भी उजागर हो गए हैं। कार्न्स का जाना पूर्व रक्षा सचिव जॉन हीली के इस्तीफे के बाद हुआ है, जिनका प्रधानमंत्री के साथ सरकार के रक्षा बजट को लेकर मतभेद था। हीली का तर्क था कि स्टारमर सरकार ने प्रस्तावित सैन्य खर्च देश की रक्षा के लिए जरूरी राशि से काफी कम है। कार्न्स ने एक्स पर क्या लिखा?

कार्न्स ने अपने इस्तीफे का एलान एक्स पर किया। उन्होंने लिखा कि सरकार ब्रिटेन के सशस्त्र बलों को पर्याप्त समर्थन देने में असफल रही है। उन्होंने लिखा, श्ब्रिटेन की सेवा करने वालों को काम करने के लिए जरूरी उपकरण और काम पूरा होने पर उनके साथ खड़े रहने की वफादारी देना हमारा कर्तव्य है। हम इन दोनों में विफल रहे हैं।श उन्होंने आगे कहा, श्मैंने सरकार में अपना पूरा समय यही बात रखने में बिताया है। वह मेरी बात नहीं सुन रहे हैं, इसलिए मैं सशस्त्र बलों के मंत्री पद से इस्तीफा दे रहा हूं। सैन्य खरीद नीतियां अभी भी पुरानीश

प्रधानमंत्री को लिखे एक कड़े शब्दों वाले इस्तीफे पत्र में कार्न्स ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि रक्षा मंत्रालय के भीतर सार्थक सुधारों को आगे बढ़ाने के प्रयास गतिरोधा पर पहुंच गए हैं। उन्होंने लिखा, श्मुझे यह स्पष्ट हो गया है कि जिस बदलाव के लिए मैंने प्रयास किया था। वह नहीं आने वाला है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, मैंने सशस्त्र बलों के मंत्री पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।श पूर्व रॉयल मरीन कार्न्स ने चेतावनी दी कि ब्रिटेन आधुनिक युद्ध की तेजी से बदलती प्रकृति के अनुकूल ढलने में संघर्ष कर रहा है। यूक्रेन युद्ध जैसे संघर्षों से मिले सबक का हवाला देते हुए उन्होंने तर्क दिया कि सैन्य खरीद नीतियां अभी भी पुराने खतरों पर केंद्रित हैं। विरोधी अगली लड़ाई के लिए हथियार जुटा रहेश

उन्होंने कहा, श्संघर्ष का स्वरूप हमारी खरीद क्षमता से कहीं अधिक तेजी से बदल रहा है। हम अभी भी पिछली लड़ाई के लिए उपयुक्त क्षमता खरीद रहे हैं। वहीं, हमारे विरोधी अगली लड़ाई के लिए हथियार जुटा रहे हैं।श कार्न्स ने सरकार की रक्षा निवेश योजना (डीआईपी) की कड़ी आलोचना की। उनका दावा था कि यह उभरती सुरक्षा चुनौतियों के पैमाने को संबोधित करने में विफल रही है।उन्होंने लिखा, श्रक्षा निवेश योजना में मेरी कोई भूमिका नहीं थी, लेकिन इस दूरी के कारण मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूं कि यह हमारे सामने मौजूद खतरे के लिए उपयुक्त नहीं है। यह न तो पर्याप्त रूप से परिवर्तनकारी है और न ही इसके लिए हमारे पास बजट है। उन्होंने कहा, श्मैं ईमानदारी से रक्षा चौकी पर खड़े होकर उस निवेश स्तर का बचाव नहीं कर सकता जो मुझे पता है कि इस कार्य के लिए अपर्याप्त है।श उन्होंने आगे कहा कि श्एक गंभीर देश अपनी रक्षा के लिए धन उस खतरे का सामना करने के लिए खर्च करता है जिसका वह असल में सामना कर रहा है। न कि उस खतरे का जिसका वह सामना करना चाहता है। कार्न्स ने उत्तरी आयरलैंड लेगेसी बिल की भी आलोचना करते हुए इसे उद्देश्य के लिए अनुपयुक्त बताया और चेतावनी दी कि यह उन दिग्गजों को विफल करने का जोखिम रखता है जिनकी रक्षा के लिए इसे बनाया गया था।उनके इस्तीफे से वैश्विक तनाव बढ़ने और पूरे यूरोप में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच रक्षा नीति और सैन्य वित्तपोषण को लेकर स्टारमर सरकार पर दबाव बढ़ने की संभावना है।

ट्रंप का बड़ा दावा: अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से ईरान में हुआ नेतृत्व परिवर्तन, नए नेता समझौते के लिए तैयार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने संकेत दिया है कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई ने ईरान के नेतृत्व ढांचे को पूरी तरह बदल दिया है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।